हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

● वर्ष-02 ● अंक- 45 ● भिलाई, गुरुवार 03 सितम्बर 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

नक्सलवाद से मुक्त छत्तीसगढ़ की सराहना की

उपराष्ट्रपति सीपी ने रायपुर एम्स में मेधावियों को दिए स्वर्ण पदक.....

रायपुर। संवाददाता

उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन बुधवार 2 सिंतम्बर को अपने एक दिवसीय छत्तीसगढ़ दौरे पर रायपुर पहुंचे। यहां उन्होंने अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) रायपुर के तीसरे दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। इस दौरान उन्होंने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक और प्रमाण-पत्र प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया। दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने एम्स रायपुर की स्वास्थ्य सेवाओं, शोध और आधुनिक चिकित्सा के क्षेत्र में हो रही प्रगति की सराहना की। उन्होंने कहा कि संस्थान एडवांस्ड हेल्थकेयर, मेडिकल रिसर्च और अंग प्रत्यारोपण के क्षेत्र में उल्लेखनीय काम कर रहा है। राज्य में हुए पहले स्वैप किडनी ट्रांसप्लांट जैसी उपलब्धियों का भी उन्होंने उल्लेख किया। उपराष्ट्रपति ने अपने संबोधन में छत्तीसगढ़ के उन इलाकों में आए बदलाव का भी जिक्र किया, जो कभी नक्सलवाद, भय और अभाव के लिए जाने जाते थे। उन्होंने कहा कि अब इन क्षेत्रों में विकास की नई तस्वीर दिखाई दे रही है। सड़क, स्कूल, अस्पताल, बेहतर कनेक्टिविटी और निवेश जैसी सुविधाओं के विस्तार से लोगों के लिए नए अवसर पैदा हो रहे हैं। उपराष्ट्रपति के रायपुर आगमन को देखते हुए राजधानी में सुरक्षा व्यवस्था बेहद कड़ी रही। सरोना रिंग रोड से टाटीबंध चौक और एम्स परिसर तक जगह-जगह पुलिस बल तैनात किया गया। रिंग रोड नंबर-1 पर बैरिकेडिंग कर यातायात और आवाजाही को नियंत्रित किया गया। वीआईपी मूवमेंट के चलते एम्स रायपुर में मरीजों और उनके परिजनों की आवाजाही के लिए भी व्यवस्था में बदलाव किया गया। ओपीडी आने वाले मरीजों के लिए गेट नंबर-1 से प्रवेश की व्यवस्था रही, जबकि गेट नंबर-3 से मरीज और उनके परिजन ओपीडी की ओर जा सके। गेट नंबर-1 पर पार्किंग होने के कारण मरीजों को रजिस्ट्रेशन काउंटर तक पहुंचने के लिए कुछ दूरी पैदल तय करनी पड़ी। ट्रामा और इमरजेंसी सेवाओं के लिए गेट नंबर-2 का इस्तेमाल किया गया। वहीं, रजिस्ट्रेशन काउंटर तक पहुंचने के लिए इस्तेमाल होने वाले गेट नंबर-4 को 2 सितंबर को वीआईपी मूवमेंट के कारण बंद रखा गया। गेट नंबर-5 पर भी आवाजाही प्रभावित रही। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रमेन डेका, केंद्रीय राज्यमंत्री अनुप्रिया पटेल, स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल, एम्स रायपुर के प्रेसिडेंट प्रो. (डॉ.) संजीव हांडा और कार्यकारी निदेशक रिटायर्ड लेफ्टिनेंट जनरल अशोक जिंदल समेत अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

राज्यपाल श्री डेका ने उपराष्ट्रपति श्री राधाकृष्णन का किया आत्मीय स्वागत

उपराष्ट्रपति श्री सी. पी. राधाकृष्णन के छत्तीसगढ़ आगमन पर राज्यपाल श्री रमेन डेका, उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा, वन एवं जलवायु परिवर्तन, परिवहन, सहकारिता एवं संसदीय कार्य मंत्री श्री केदार कश्यप, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने स्वामी विवेकानंद विमानतल रायपुर में उनका आत्मीय स्वागत किया। उपराष्ट्रपति का स्वामी विवेकानंद विमानतल रायपुर में खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के मंत्री श्री दयालदास बघेल, वाणिज्य एवं उद्योग, सार्वजनिक उपक्रम, वाणिज्यिक कर (आबकारी) श्रम मंत्री श्री लखनलाल देवांगन, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन, पुनर्वास, उच्च शिक्षा मंत्री श्री टंकराम वर्मा, राज्य सभा सदस्य श्रीमती लक्ष्मी वर्मा ने आत्मीय स्वागत की।

जन्माष्टमी के बाद मोदी कैबिनेट का जीर्णोद्धार!

अश्विनी वैष्णव का प्रमोशन और गडकरी का ट्रांसफर तय....

नई दिल्ली/ एजेंसी

क्या देश की राजधानी दिल्ली की सत्ता के गलियारों में कोई बहुत बड़ा राजनीतिक उलटफेर होने वाला है? क्या देश के सबसे चर्चित मंत्रालयों के नेतृत्व में कोई ऐसा बदलाव होने जा रहा है जिसकी किसी ने उम्मीद नहीं की थी? जी हां, इस समय मोदी सरकार के संभावित कैबिनेट विस्तार को लेकर चर्चाएं बेहद तेज हो चुकी हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, केंद्र सरकार के मंत्रिमंडल में जल्द ही एक बड़ा फेरबदल देखने को मिल सकता है, जिसमें कई पुराने मंत्रियों को छुट्टी दी जा सकती है और नए व युवा चेहरों को देश की कमान संभालने का मौका मिल सकता है। इस संभावित बदलाव की सबसे बड़ी खबर यह है कि केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी का विभाग बदला जा सकता है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, आगामी कैबिनेट विस्तार में कई चौंकाने वाले फैसले लिए जा सकते हैं। जहां शानदार परफॉर्मेन्स देने वाले केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव को प्रमोशन मिल सकता है, वहीं नितिन गडकरी के पास मौजूद मौजूदा विभाग को बदलकर उन्हें कोई दूसरा मंत्रालय सौंपा जा सकता है। इसके अलावा, मंत्रिमंडल में लगभग 16 से 17 नए चेहरों को शामिल किए जाने की संभावना है, जिसका सीधा मतलब यह है कि कई वर्तमान मंत्रियों को अपनी कुर्सी गंवानी पड़ सकती है। आखिर इस बड़े फेरबदल की जमीन कैसे तैयार की जा रही है? मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले कुछ दिनों से पार्टी के सांसदों से सीधा संवाद साधना शुरू कर दिया है। सांसदों के साथ यह खास बातचीत हो रही है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि प्रधानमंत्री की इस विशेष चर्चा से ही यह संकेत मिल रहे हैं कि आगामी समय में कैबिनेट में किसे एंट्री मिलने जा रही है और किसे बाहर का रास्ता दिखाया जाएगा।

पहला कॉलम

असम के गुवाहाटी में भारी बारिश के बीच भूस्खलन से 4 लोगों की मौत

गुवाहाटी। असम के गुवाहाटी में मंगलवार सुबह भूस्खलन की घटना में 4 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई. यह भूस्खलन गुवाहाटी में नरेंगी के पास माथघोरिया इलाके में हुआ. पूर्वोत्तर राज्यों में इन दिनों भारी बारिश हो रही है. जानकारी के अनुसार यह भूस्खलन माथघोरिया पहाड़ियों में हुआ और इसमें एक ही परिवार के तीन सदस्यों की जान चली गई. मृतकों की पहचान नागेन राजबोंगशी, उनकी पत्नी मीना राजबोंगशी और बेटी सुनु राजबोंगशी के तौर पर हुई. वहीं, स्थानीय लोगों ने उनके बेटे को मलबे के नीचे से सुरक्षित बाहर निकाला. लगातार हो रही बारिश के कारण गुवाहाटी शहर सोमवार रात से ही पानी में डूबा हुआ है. शहर के कई इलाकों में जलजमाव हो गया. भारी जलजमाव की वजह से गाड़ियों की आवाजाही बाधित हुई. भारी बारिश के कारण गुवाहाटी के कई इलाकों में, जिनमें हाटीगांव, सिजुबारी, जू रोड, चांदमारी और डाउनटाउन शामिल हैं, भारी जलजमाव हो गया. शहर में लगातार हो रही बारिश के कारण कई सड़कें पानी में डूबी गई.

जापान में आईआईटी खड़गपुर के छात्र की समुद्र में डूबने से मौत

मेदिनीपुर। खड़गपुर आईआईटी के एक और मेधावी छात्र की विदेश में दर्दनाक मौत से पूरे संस्थान में शोक की लहर है। जापान के हिरोशिमा में समुद्र में डूबने से आईआईटी खड़गपुर के स्नातकोत्तर छात्र श्याम संतोष अग्रवाल (24) की मौत हो गई। श्याम मूल रूप से महाराष्ट्र के औरंगाबाद के रहने वाले थे और आईआईटी खड़गपुर के आर्किटेक्चर विभाग के प्रतिभाशाली छात्र थे। जानकारी के अनुसार, इसी वर्ष की शुरुआत में श्याम को जापान की प्रतिष्ठित हिरोशिमा यूनिवर्सिटी में अंतरराष्ट्रीय इंटर्नशिप का अवसर मिला था। इसके लिए वह मई महीने में जापान गए थे और दिसंबर में भारत लौटने वाले थे। लेकिन इससे पहले ही एक दर्दनाक हादसे में उनकी जान चली गई। आईआईटी सूत्रों के मुताबिक, गत रविवार को हिरोशिमा के समुद्र में नहाने और तैरने के दौरान श्याम लापता हो गए थे।

कमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम 11 रुपये तक बढ़े, विमान ईंधन भी हुआ महंगा

नई दिल्ली। तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन ने व्यावसायिक उपयोग वाले रसोई गैस सिलेंडरों की कीमतों में बढ़ोतरी कर दी है। होटल, रेस्तरां और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में इस्तेमाल होने वाला 19 किलो का व्यावसायिक रसोई गैस सिलेंडर देश के कई प्रमुख शहरों में महंगा हो गया है। कीमतों में शहर के अनुसार अलग-अलग बढ़ोतरी की गई है। राजधानी दिल्ली में 19 किलो के सिलेंडर की कीमत 9.50 रुपये बढ़कर 2,747.50 रुपये हो गई है। मुंबई में अब यह सिलेंडर 2,701 रुपये, जबकि चेन्नई में 2,916.50 रुपये में मिलेगा। कोलकाता में व्यावसायिक गैस सिलेंडर की कीमत 11.50 रुपये बढ़कर 2,884 रुपये हो गई है।

सरकार खर्च करेगी करीब 30,000 करोड़

देश में बनेंगे 100 नए एयरपोर्ट-मंत्री राम मोहन नायडू

नई दिल्ली। भारत में हवाई सफर को और अधिक सुलभ, आसान और किफायती बनाने के लिए केंद्र सरकार ने एक बड़ा खाका तैयार किया है। इस महत्वाकांक्षी योजना के तहत अगले 10 वर्षों में देश भर में 100 नए एयरपोर्ट का निर्माण किया जाएगा, जिस पर लगभग 30,000 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत आएगी। नागर विमानन मंत्री राम मोहन नायडू ने अहमदाबाद एयरपोर्ट से देश के तीसरे 'हब एंड स्पोक' ऑपरेशन के उद्घाटन के दौरान यह अहम जानकारी साझा की। केंद्रीय मंत्री राम मोहन नायडू ने गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और उप मुख्यमंत्री हर्ष संघवी की गरिमामयी उपस्थिति में अहमदाबाद एयरपोर्ट से देश की तीसरी हब एंड स्पोक सेवा का औपचारिक उद्घाटन किया। इस नई सेवा का मुख्य उद्देश्य देश के विभिन्न हिस्सों और छोटे शहरों के यात्रियों को प्रमुख भारतीय हवाई अड्डों के माध्यम से सीधे अंतरराष्ट्रीय उड़ानों और गंतव्यों से जोड़ना है। मंत्री ने बताया कि इस योजना की शुरुआत वाराणसी और अमृतसर से की गई थी, जिसे वहां के यात्रियों से बेहद सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है। एविएशन सेक्टर की तेज रफ्तार प्रगति के आंकड़े पेश करते हुए केंद्रीय मंत्री ने बताया कि देश में परिचालन वाले एयरपोर्ट्स की संख्या साल 2014 के 74 से बढ़कर अब 166 हो गई है। पिछले 12 वर्षों के दौरान औसतन हर 40 दिन में एक नया एयरपोर्ट या नया टर्मिनल बनकर तैयार हुआ है।

विस्तार के लिए लगभग 28,840 करोड़ रुपये का बजट

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में इसी साल मार्च में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने क्षेत्रीय संपर्क योजनायानी संशोधित 'उड़ान' योजना के लॉन्च और कार्यान्वयन को मंजूरी दी थी। इस पूरे प्रोजेक्ट के लिए केंद्र सरकार की बजटीय सहायता के साथ कुल 28,840 करोड़ रुपये का भारी-भरकम वित्तीय परिव्यय तय किया गया है।

आईआरएस अधिकारी की बेटी के मामले में आरोपी राहुल मीणा के खिलाफ आरोप तय

नई दिल्ली। दिल्ली की साकेत कोर्ट ने वरिष्ठ आईआरएस (आईआरएस) अधिकारी की बेटी की हत्या व अन्य मामलों में मुख्य आरोपी राहुल मीणा के खिलाफ आरोप तय करने का आदेश दिया है. एडिशनल सेशंस जज अंकित सिंगला ने मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपी के खिलाफ कई धाराओं के तहत मुकदमा चलाने की मंजूरी दी. अदालत ने इस मामले की अगली सुनवाई के लिए 7 सितंबर की तारीख तय की है. इसके पहले मजिस्ट्रेट कोर्ट ने दिल्ली पुलिस की ओर से दाखिल चार्जशीट पर संज्ञान लिया था.

डौंडीलोहारा में खूंखार कुत्ते का कहर

एक आवारा कुत्ते ने बच्चे-बुजुर्ग समेत 13 लोगों को बनाया शिकार और 3 की हालत बेहद गंभीर

बालोद। जिले के डौंडीलोहारा में एक आवारा कुत्ते के आतंक से लोगों में दहशत का माहौल है। बताया जा रहा है कि एक ही कुत्ते ने नगर के अलग-अलग इलाकों में हमला कर 13 लोगों को काटकर घायल कर दिया। कुत्ते के हमले में महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग भी शामिल हैं। सभी घायलों को उपचार के लिए डौंडीलोहारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (ष्ट॥ष्ट) में भर्ती कराया गया है। जानकारी के मुताबिक, आवारा कुत्ते ने डौंडीलोहारा के अलग-अलग इलाकों में लोगों पर अचानक हमला किया। कुत्ते के लगातार हमलों से लोग घबरा गए और नगर में कुछ समय के लिए दहशत की स्थिति बन गई। बताया जा रहा है कि कुत्ते ने रास्ते से गुजर रहे लोगों को अपना शिकार बनाया। हमले के बाद घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। आवारा कुत्ते के हमले में कई बुजुर्ग महिलाएं भी घायल हुई हैं। एक 60 वर्षीय महिला किराना दुकान से सामान लेकर लौट रही थीं, तभी कुत्ते ने उन पर हमला कर दिया। वहीं, मंदिर में पूजा करने जा रही एक महिला को भी कुत्ते ने हाथ-पैर में काटकर घायल कर दिया। इसके अलावा बैंक के काम से डौंडीलोहारा पहुंची एक बुजुर्ग महिला भी कुत्ते के हमले का शिकार हो गईं।

सीजेपी के प्रवक्ता सौरव दास और कानूनी मामलों की प्रमुख रत्ना सिंह, नई दिल्ली में सुप्रीम कोर्ट के लॉन में 20-25 जुलाई के छात्र विरोध प्रदर्शनों से जुड़ी एफआईआर को रद्द करने के सुप्रीम कोर्ट के फैसले का जश्न मना रहे हैं।

5 अरब डॉलर के मुआवजे की मांग

नेपाल पीएम ने चीन,भारत और अमेरिका को ठहराया जिम्मेदार

नेपाल/ एजेंसी

नेपाल के भोटेकोशी और त्रिशूली क्षेत्र में आई विनाशकारी बाढ़ व ग्लेशियर टूटने की तबाही के बाद नेपाल ने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपना रुख सख्त कर लिया है। नेपाल ने कहा कि उसे महज 'मानवीय मदद' या दान नहीं चाहिए, बल्कि जलवायु परिवर्तन के लिए जिम्मेदार बड़े देशों से कानूनन 'जलवायु मुआवजा' और न्याय चाहिए। नेपाल में हिमालयी ग्लेशियर फटने और भोटेकोशी-त्रिशूली क्षेत्र में आई तबाही के बाद देश में भारी आक्रोश है। नेपाल सरकार ने अपनी कूटनीतिक रणनीति में बड़ा बदलाव करते हुए वैश्विक समुदाय के सामने दो टूक रुख अपनाया है। नेपाल का साफकहना है कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय से सिर्फ चैरिटी या तात्कालिक राहत सामग्री मांगना अब पर्याप्त नहीं है।

ट्रस्ट के तीन नए सदस्य भी घोषित

राम मंदिर के पहले सीईओ बने पूर्व एयर मार्शल जितेंद्र मिश्रा

अयोध्या/ एजेंसी

श्रीराम जन्मभूमि ट्रस्ट के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) को लेकर निर्णय हो गया है। एयर मार्शल जितेंद्र मिश्रा ट्रस्ट के सीईओ चुने गए हैं। बुधवार को अयोध्या की मणिरामदास छावनी में महंत नृत्यगोपालदास की अध्यक्षता में हुई ट्रस्ट की बैठक में सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया। बैठक में ट्रस्ट के प्रमुख पदाधिकारियों के साथ ही आमंत्रित सदस्य भी मौजूद रहे। वहीं, ट्रस्ट की बैठक में तीन नए सदस्यों की भी घोषणा की गई है। नए शामिल होने वाले सदस्यों में मदन मोहन पांडेय अयोध्या के, महेश भागचंदका दिल्ली के और निर्मला यादव अयोध्या से हैं। ट्रस्ट ने एयर मार्शल जीतेंद्र मिश्रा को मंदिर का पहला मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) नियुक्त किया है। भारतीय वायुसेना में करीब चार दशक तक महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां संभाल चुके मिश्रा अब राम मंदिर की प्रशासनिक और संचालन व्यवस्था को नई दिशा देंगे। एयर मार्शल जीतेंद्र मिश्रा मूल रूप से देवरिया जिले के भाटपाररानी क्षेत्र के भोपतपुरा गांव के रहने वाले हैं। उन्होंने 6 दिसंबर 1986 को भारतीय वायुसेना में फाइटर पायलट के रूप में कमीशन प्राप्त किया था। अपने लंबे सैन्य करियर में उन्होंने 18 से अधिक प्रकार के विमानों पर उड़ान भरी और 3,000 घंटे से ज्यादा का

उड़ान अनुभव हासिल किया। कमांडिंग-इन-चीफ के पद पर भी रहे हैं। इसके अलावा एकीकृत रक्षा स्टाफमें उप प्रमुख (सिद्धांत, संगठन एवं प्रशिक्षण) जैसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। देश के साथ अमेरिका और ब्रिटेन के प्रतिष्ठित रक्षा संस्थानों से प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले मिश्रा के पास बड़े संगठन के संचालन और नेतृत्व का व्यापक अनुभव है। राम मंदिर के सीईओ के रूप में उनकी नियुक्ति को इसलिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि मंदिर अब निर्माण के चरण से आगे बढ़कर व्यवस्थित संचालन और वैश्विक धार्मिक-पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित हो रहा है। प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की आवाजाही, सुरक्षा, दर्शन व्यवस्था, कर्मचारी प्रबंधन, सुविधाओं का विस्तार और विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वय जैसी जिम्मेदारियां सीईओ के सामने होंगी। ऐसे में सैन्य सेवा से आए मिश्रा के अनुशासन, नेतृत्व, बड़े संस्थान के प्रबंधन और समन्वय के अनुभव को ट्रस्ट के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

CMYK

एकलव्य हॉस्टल में सुरक्षा व्यवस्था ध्वस्त, जूनियर छात्र की पिटाई से व्यवस्था कटघरे में

कवर्धा। आदिवासी बैगा बच्चों के बेहतर भविष्य, शिक्षा और संस्कार के लिए संचालित पीएमश्री एकलव्य आवासीय विद्यालय एवं छात्रावास में सामने आई मारपीट की घटना ने पूरी व्यवस्था को कटघरे में खड़ा कर दिया है। तरेगांव थाना क्षेत्र के पीएमश्री एकलव्य हॉस्टल में सीनियर छात्रों द्वारा एक जूनियर छात्र को कथित रूप से कमरे में बंद कर पिटाई किए जाने की शिकायत सामने आई है। पीड़ित बच्चे के कान, आंख और पीठ में चोट के निशान बताए गए हैं। मामले को लेकर परिजनों में भारी आक्रोश है और थाना में शिकायत भी की गई है।

बताया गया है कि पीएमश्री आवासीय विद्यालय में करीब 400 आदिवासी बैगा बच्चे कक्षा 6वीं से 12वीं तक अध्ययनरत हैं। ये बच्चे अपने परिवार से दूर रहकर शिक्षा ग्रहण करते हैं।

इनके लिए छात्रावास केवल रहने की जगह नहीं, बल्कि घर से दूर दूसरा सुरक्षित आश्रय होता है। यहां बच्चों को शिक्षा के साथ अनुशासन, संस्कार, आत्मनिर्भरता और बेहतर जीवन की दिशा देने का उद्देश्य है। ऐसे में छात्रावास के भीतर ही एक जूनियर बच्चे को कमरे में बंद कर कथित रूप से पीटे जाने की घटना व्यवस्था की गंभीरता पर सवाल खड़े करती है। परिजनों के अनुसार सीनियर बच्चों ने जूनियर छात्र के साथ मारपीट की और कमरे में बंद कर दिया। पिटाई के बाद बच्चे के कान, आंख और पीठ में चोट के निशान सामने आए। घटना की जानकारी मिलने के बाद परिजन नाराज हैं। उनका कहना है कि जिन बच्चों को सुरक्षित वातावरण में शिक्षा देने के लिए आवासीय विद्यालय में रखा गया है, उनकी निगरानी में इस तरह की घटना होना चिंताजनक है।

अधीक्षक की भूमिका और निगरानी व्यवस्था पर सवाल

छात्रावास में रहने वाले बच्चों की सुरक्षा और अनुशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी छात्रावास अधीक्षक तथा ड्यूटी पर तैनात संबंधित कर्मचारियों की होती है। बच्चों के बीच होने वाले विवाद को समय रहते रोकना, संवेदनशील मामलों की जानकारी तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों तक पहुंचाना और किसी भी प्रकार की हिंसा पर नियंत्रण रखना प्रशासनिक दायित्व का हिस्सा है। ऐसे में घटना की परिस्थितियों की जांच के साथ छात्रावास अधीक्षक की निगरानी व्यवस्था और कर्तव्य निर्वहन की भी जवाबदेही तय किया जाना आवश्यक है। यदि जांच में यह सामने आता है कि घटना के दौरान जिम्मेदार कर्मचारी मौजूद नहीं थे, निगरानी में लापरवाही हुई या शिकायत के बाद भी उचित कार्रवाई नहीं की गई, तो संबंधित जिम्मेदारों पर नियमानुसार कार्रवाई होनी चाहिए। केवल मारपीट करने वाले छात्रों पर कार्रवाई कर पूरे मामले को समाप्त करना पर्याप्त नहीं होगा। जिस व्यवस्था के संरक्षण में बच्चे रहते हैं, उस व्यवस्था की जवाबदेही भी निर्धारित करना जरूरी है।

चार साल पुराने मामले के बाद भी नहीं बदली तस्वीर

गौर करने वाली बात यह है कि करीब चार वर्ष पूर्व भी इसी छात्रावास में मारपीट का मामला सामने आया था। उस समय प्रभारी अधीक्षक के खिलाफकार्रवाई करते हुए उन्हें हटाया गया था। पुराने मामले के बाद छात्रावास व्यवस्था में सुधार और बच्चों की सुरक्षा को लेकर अपेक्षित गंभीरता बरती गई या नहीं, इसकी भी समीक्षा आवश्यक है। दोबारा मारपीट की शिकायत सामने आना व्यवस्था की निगरानी पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है। एकलव्य नाम स्वयं संघर्ष, समर्पण और शिक्षा की साधना का प्रतीक है। आदिवासी समाज के बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने और उन्हें बेहतर भविष्य देने के उद्देश्य से बनाए गए आवासीय विद्यालय में बच्चों का सुरक्षित रहना उतना ही जरूरी है जितना उनका पढ़ना। शिक्षा का वातावरण भय और हिंसा से मुक्त होना चाहिए। घर से दूर रहने वाले बच्चे यदि छात्रावास में ही असुरक्षित महसूस करने लगें तो शिक्षा-दीक्षा का मूल उद्देश्य प्रभावित होना स्वाभाविक है।

अब प्रशासन के सामने केवल घटना की जांच करने की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि जिम्मेदारी तय करने की भी चुनौती है। दोषी छात्रों की भूमिका के साथ छात्रावास अधीक्षक, संबंधित कर्मचारियों और निगरानी तंत्र की भूमिका की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। रात्रिकालीन निगरानी, छात्रों की शिकायत व्यवस्था, अनुशासन प्रणाली और संवेदनशील मामलों में तत्काल हस्तक्षेप की व्यवस्था को भी मजबूत किया जाना जरूरी है। परिजनों का आ श एक बच्चे की चोट तक सीमित नहीं है। यह उन सैकड़ों बैगा बच्चों की सुरक्षा से जुड़ा विषय है, जो बेहतर शिक्षा और सुनहरे भविष्य की उम्मीद लेकर एकलव्य आवासीय विद्यालय में रह रहे हैं। एकलव्य की शिक्षा तभी सार्थक होगी, जब उसके परिसर में पढ़ने वाला हर बच्चा सुरक्षित, सम्मानित और भयमुक्त वातावरण में अपना भविष्य गढ़ सके।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने सुपरवाइजर के पदों पर सीधी भर्ती का विरोध

दल्लीराजहरा। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका छत्तीसगढ़ संघ की महामंत्री माधुरी रथ ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि छत्तीसगढ़ में आंगनबाड़ी में सुपरवाइजर के 50 पदों पर प्रस्तावित सीधी भर्ती को लेकर भारी आक्रोश है। संघ ने संयुक्त सचिव, महिला एवं बाल विकास विभाग, छत्तीसगढ़ शासन, रायपुर को ज्ञापन सौंपकर इन सभी पदों को सीधी भर्ती के बजाय पदोन्नति के माध्यम से भरने की मांग की है। माधुरी रथ ने बताया कि प्रदेश की आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाएं विगत कई वर्षों से महिला एवं बाल विकास विभाग की योजनाओं को जमीनी स्तर पर पूरी निष्ठा एवं जिम्मेदारी के साथ संचालित कर रही हैं। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को विभागीय कार्यों का दीर्घ अनुभव एवं योजनाओं की पूर्ण जानकारी है। ऐसी स्थिति में सुपरवाइजर के रिक्त / प्रस्तावित पदों

संघ की 5 प्रमुख मांगें

सुपरवाइजर के पदों पर आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के लिए निर्धारित पदोन्नति कोटे का पूर्ण पालन किया जाए। प्रस्तावित 50 पदों को सीधी भर्ती से भरने के स्थान पर पात्र एवं अनुभवी आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं से पदोन्नति द्वारा भरा जाए। लंबे समय से विभाग में सेवाएं दे रहीं पात्र कार्यकर्ताओं की वरिष्ठता, अनुभव एवं सेवा अवधि को प्राथमिकता दी जाए। पदोन्नति प्रक्रिया को पारदर्शी एवं समयबद्ध बनाया जाए तथा पात्र कार्यकर्ताओं को अनावश्यक रूप से पदोन्नति के अवसर से वंचित न किया जाए। यदि विभाग में सुपरवाइजर के पद रिक्त हैं तो पहले विभागीय पदोन्नति प्रक्रिया पूर्ण की जाए, उसके बाद ही शेष पदों के संबंध में कोई निर्णय लिया जाए। संघ ने कहा है कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने वर्षों तक विभाग के साथ कार्य करते हुए अपने जीवन का महत्वपूर्ण समय इस सेवा में दिया है। उनके अनुभव एवं योग्यता का सम्मान करते हुए उन्हें पदोन्नति का अवसर देना विभाग एवं शासन की सकारात्मक पहल होगी। संघ ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांग पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया जाता है, तो संगठन लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक तरीके से अपने अधिकारों के लिए आगे की आंदोलनात्मक कार्यवाही करने के लिए बाध्य होगा, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी विभाग की होगी। ज्ञापन की प्रतिलिपि सचिव, महिला एवं बाल विकास विभाग, रायपुर, संचालक, महिला एवं बाल विकास विभाग, रायपुर को भी प्रेषित की गई है।

मुख्तियारनामा का झांसा देकर करा ली रजिस्ट्री,3 एकड़ को गिरवी रखकर 5 एकड़ की रजिस्ट्री

धोखाधड़ी मामले में 6 लोगों के खिलाफ एफआईआर

डोंगरगांव नगर। नगर के सन्निकट ग्राम दर्री में किसान की जमीन को धोखाधड़ी कर हड़पने का मामला सामने आया है। इस मामले में किसान की जमीन को गिरवी रखने के लिए मुख्तियारनामा बनाकर दूसरे व्यक्ति के पास गिरवी रखकर तीसरे व्यक्ति के नाम रजिस्ट्री कराने के बाद चौथे व्यक्ति को विक्रय कर दी गई है। इस मामले में पुलिस ने 6 आरोपियों लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक एफआईआर में विवरण मुताबिक घटनाक्रम में प्रार्थी किसान ने मकान बनाने के लिए राशि की जरूरत पड़ने पर बैंक से लोन लेने वाले थे। इसी दरम्यान किसान को रोहन नामक युवक ने एक योजना में 10 लाख रुपये देकर 25 लाख मिलने का झांसा दिया। रोहन द्वारा अपने साथियों राहुल,

अनिल व मिथिलेश को बैंक अधिकारी बताकर लोन के एवज में रुपये देने के नाम पर अनेक बार आनलाईन व नकद राशि लेने, राशि दिलाने के एवज में 3 एकड़ का गिरवी रखने के लिए अनिल देवांगन के नाम से मुख्तियार नामा बनाकर धोखधड़ी करके लगभग 5 एकड़ का देविका पति तारेश देवांगन के साथ मिलकर देविका देवांगन के नाम पर रजिस्ट्री कराने के उपरांत सुरेश निषाद के पास विक्रय कर दी गई है। किसान की माने तो रजिस्ट्री प्रपत्र में तीन चेक क्रमशः 7,00,000 रू चेक क्रमांक 029339, 5,00,000 रू चेक क्रमांक 029342 तथा 3,00,000 रू चेक क्रमांक 029343 का उल्लेख है। किसान के अनुसार तारेश देवांगन द्वारा 15 लाख देने की बात कही थी। किसान के मुताबिक रोहन राजपूत, राहुल राजपूत, मिथलेश चुनारकर, अनिल देवांगन ने मिलकर लोन दिलाने के नाम पर कुल 10,57,000 लाख रूपये की धोखाधड़ी की है। उक्त चारों लोगों ने देविका देवांगन व तारेश देवांगन के साथ मिलीभगत कर किसान की जमीन को गिरवी रखने का हवाला देकर धोखाधड़ी कर देविका देवांगन के नाम रजिस्ट्री कर लेने के बाद सुरेश निषाद के पास विक्रय कर दिया गया है। पुलिस ने उक्त मामले में प्रार्थी किसान घनश्याम साहू की लिखित शिकायत आवेदन के आधार पर रोहन राजपूत, राहुल राजपूत, मिथिलेश चुनारकर, अनिल देवांगन, देविका देवांगन व तारेश देवांगन के खिलाफ धारा 318 (3), 61 (2), 3 (5) बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया है।

बालोद जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में आयोजित किए जा रहे लगातार साइबर जागरूकता कार्यक्रम

दल्लीराजहरा। बालोद जिले के विभिन्न थाना एवं चौकी क्षेत्रों में लगातार साइबर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में दूसरे सप्ताह के इवेंट अनुसार 27 अगस्त को जिले के विभिन्न बैंक, पोस्ट ऑफिस एवं ग्रामीण क्षेत्रों में साइबर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर आम नागरिकों को साइबर अपराधों से बचाव, सुरक्षित डिजिटल व्यवहार एवं ऑनलाइन लेन-देन के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों के संबंध में जागरूक किया गया। थाना/चौकीवार आयोजित कार्यक्रम एवं स्थान, थाना मंगचुआ ग्राम रेंगाडबरी ग्रामीण बैंक थाना सुरेगांव, जिला सहकारी केंद्रीय बैंक, सुरेगांव साइबर सेल एवं थाना बालोद, जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित, बालोद साइबर सेल एवं थाना बालोद, JSKB, दुधली थाना दल्लीराजहरा पोस्ट ऑफिस, दल्लीराजहरा थाना दल्लीराजहरा, भारतीय स्टेट बैंक, दल्लीराजहरा थाना देवरी, बैंक ऑफ बड़ौदा, देवरी, पुलिस चौकी पिंकापार छत्तीसगढ़ ग्रामीण बैंक, पिनकापार, साइबर अपराधों से बचाव की दी गई जानकारी। कार्यक्रमों के दौरान नागरिकों को ऑनलाइन ठगी, फर्जी कॉल एवं मैसेज, संदिग्ध लिंक, फर्जी सोशल मीडिया प्रोफाइल, ऑनलाइन बैंकिंग एवं डिजिटल लेन-देन से संबंधित धोखाधड़ी से बचाव के उपाय बताए गए। नागरिकों को समझाइश दी गई कि OTP, UPI PIN, CVV, पासवर्ड एवं बैंकिंग संबंधी गोपनीय जानकारी किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ साझा न करें। अनजान लिंक पर क्लिक करने, संदिग्ध क्यू कोड स्कैन करने तथा अनजान ऐप डाउनलोड करने से बचें। बैंक एवं अन्य सार्वजनिक स्थानों पर उपस्थित नागरिकों को डिजिटल माध्यम से लेन-देन करते समय विशेष सावधानी बरतने, किसी भी संदिग्ध कॉल या मैसेज पर विश्वास नहीं करने तथा सोशल मीडिया एवं इंटरनेट का उपयोग जिम्मेदारी एवं सतर्कता के साथ करने के लिए प्रेरित किया गया। जिला पुलिस द्वारा आमजन से अपील की गई कि वे स्वयं साइबर अपराधों के प्रति जागरूक एवं सतर्क रहें तथा कम से कम 5-10 अन्य लोगों को भी साइबर सुरक्षा संबंधी जानकारी साझा कर जागरूक करें, ताकि साइबर सुरक्षा का संदेश अधिक से अधिक लोगों तक पहुंच सके। साइबर अपराध अथवा ऑनलाइन वित्तीय ठगी होने की स्थिति में घबराने के बजाय तत्काल राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज करें तथा संबंधित पुलिस थाना को भी सूचना दें। समय पर शिकायत करने से ठगी गई राशि को रोकने/वापस दिलाने की संभावना बढ़ जाती है।

लोक पर्वो के बीच त्रैमासिक परीक्षा करने पर जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी ने जताया विरोध

कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

बेमेतरा। बेमेतरा जिले के शासकीय एवं प्राइवेट स्कूलों में त्रैमासिक परीक्षा का टाइम-टेबल राज्य के प्रमुख लोक पर्वों तीजा-पोरा त्यौहार के बीच में रखे जाने को लेकर आज जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी ने कड़ा विरोध दर्ज कराया है। पार्टी के शहर अध्यक्ष सुर्या सिंह चौहान के नेतृत्व में आज जिला कलेक्टर, बेमेतरा को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में कहा गया है कि शिक्षा विभाग द्वारा जारी वर्तमान परीक्षा तिथि से विद्यार्थियों और उनके पालकों को गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। ज्ञापन में प्रमुख में कहा गया है कि तीजा-पोरा जैसे लोक पर्व हमारी संस्कृति, परंपरा और पारिवारिक जुड़ाव के प्रतीक हैं। परीक्षा के दबाव के कारण छात्र और उनके पालक इन पावन अवसरों में हिस्सा नहीं ले पा रहे हैं, जिससे वे अपनी मूल संस्कृति से दूर हो रहे हैं।

मानसिक तनाव: त्योहारों की चहल-पहल और पारिवारिक आयोजनों के बीच परीक्षा होने से विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है और वे अतिरिक्त मानसिक दबाव महसूस कर रहे हैं।

उपस्थिति में कमी: ग्रामीण व दूरस्थ अंचलों में त्योहारों के दौरान छात्रों की उपस्थिति घटने की पूरी संभावना है, जिससे उनका शैक्षणिक मूल्यांकन प्रभावित होगा। पार्टी ने मांग की है कि छात्रों के शैक्षणिक हित और राज्य की सांस्कृतिक परंपराओं के सम्मान को ध्यान में रखते हुए त्रैमासिक परीक्षा की समय-सारणी में आंशिक संशोधन किया जाए और परीक्षाओं को त्योहारों की समाप्ति के पश्चात आयोजित करने हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया जाए।। इस संदर्भ में जिला अध्यक्ष CKS निलेश साहू और शहर अध्यक्ष JCP सूर्या सिंह चौहान व छ्त्रस शहर उपाध्यक्ष सौरभ मानिकपुरी पदाधिकारी उपस्थित रहे।

एसपी बेमेतरा त्रिलोक बंसल ने महिला सेल का किया औचक निरीक्षण

बेमेतरा। पुलिस अधीक्षक बेमेतरा त्रिलोक बंसल ने महिला सेल बेमेतरा का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने उपस्थित अधिकारी-कर्मचारियों का मनोबल बढ़ाते हुए कानून एवं सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने तथा बेहतर पुलिसिंग सुनिश्चित करने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। एसपी त्रिलोक बंसल ने महिला सेल में आने वाले फरियादियों की समस्याओं को धैर्यपूर्वक एवं गंभीरता से सुनकर शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने लंबित शिकायतों तथा वरिष्ठ कार्यालय से प्राप्त शिकायतों का निर्धारित समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने महिला सेल में प्राप्त शिकायतों पर समय पर काउंसिलिंग की कार्रवाई करने तथा शिकायत लेकर आने वाली महिला आगंतुकों एवं रिपोर्टकर्ताओं के साथ संयमित एवं संवेदनशील व्यवहार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि महिलाओं की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए तथ्यों के आधार पर उचित एवं त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। एसपी ने महिला सेल की साफ-सफाई एवं कार्यस्थल की सुव्यवस्था

पर भी विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए, ताकि शिकायत लेकर आने वाले लोगों को सहज एवं सकारात्मक वातावरण मिल सके। औचक निरीक्षण के दौरान रीडर-1 निरीक्षक कृष्णकांत सिंह, महिला सेल से महिला प्रधान आरक्षक पूनम ठाकुर, महिला आरक्षक सुनीता जांगड़े, अमरीका पटेल, रीडर-1 शाखा से आरक्षक वासुदेव साहू व समाज सेवी श्रीमती वर्षा गौतम सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिता में डी ए वी मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल जांता का दबदबा

बेमेतरा। डी.ए.वी. मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल, जांता के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं ने खेल के क्षेत्र में शानदार प्रदर्शन करते हुए विद्यालय एवं क्षेत्र का नाम रोशन किया है। संस्था के प्राचार्य पी एल जायसवाल ने सभी विद्यार्थियों को बधाई व शुभकामनाएं देते हुए जानकारी साझा किए है कि विद्यालय जिला एवं राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन के बाद विद्यालय के कई खिलाड़ियों का चयन नेशनल, राष्ट्रीय स्तर प्रतियोगिताओं के लिए हुआ है। इस उपलब्धि से विद्यालय परिवार में हर्ष एवं उत्साह का माहौल है। विद्यालय के खिलाड़ियों ने कबड्डी एवं एथलेटिक्स में अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। विशेष रूप से विद्यालय की छात्राओं ने कबड्डी में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए अपनी खेल प्रतिभा का परिचय

दिया। अंडर-14 बालिका कबड्डी टीम ने स्वर्ण पदक हासिल कर नेशनल लेवल, अर्थात राष्ट्रीय स्तर के लिए अपनी जगह बनाई। टीम की इस उपलब्धि ने विद्यालय को गौरवान्वित किया है। एथलेटिक्स में भी खिलाड़ियों ने उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की। अंडर-17 वर्ग में सीताराम ने 1500 मीटर दौड़ में प्रथम स्थान प्राप्त कर स्वर्ण पदक हासिल किया। वहीं 800 मीटर दौड़ में उन्होंने द्वितीय स्थान सिलवर मैडल प्राप्त किया। अंडर-14 वर्ग में मोहन साहू ने हाई जम्प में द्वितीय स्थान सिल्वर मैडल व 1500 मीटर दौड़ में तृतीय स्थान कांस्य पदक हासिल कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया।कबड्डी में भी विद्यालय के खिलाड़ियों का राष्ट्रीय स्तर पर चयन हुआ है। जानकी एवं दिलेश्वरी का अंडर-17 बालिका कबड्डी के लिए चयन हुआ है। वहीं गोपाल एवं लिकेश का अंडर-17 बालक कबड्डी में राष्ट्रीय स्तर के लिए चयन हुआ है। खिलाड़ियों के इस प्रदर्शन से विद्यालय में विशेष उत्साह देखने को मिल रहा है। विद्यालय की इन खेल उपलब्धियों में खेल प्रभारी अकलेश पटेल के मार्गदर्शन एवं खिलाड़ियों के नियमित अभ्यास का महत्वपूर्ण योगदान रहा। खिलाड़ियों ने अनुशासन, मेहनत और खेल भावना के साथ प्रतियोगिताओं में भाग लेते हुए अपनी प्रतिभा साबित की। छत्तीसगढ़ डी ए वी संस्थान प्रमुख व रिजिनल ऑफिसर प्रशांत कुमार जी व असिस्टेंट रीजनल ऑफिसर सी जी जॉन डी डॉ बी पी साहू जी ने सभी खिलाड़ी व विद्यार्थियों की इस उपलब्धि हेतु बधाई व शुभकामनाएं एवं प्राचार्य ने सभी पदक विजेता एवं चयनित खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विद्यालय प्रबंधन ने कहा कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षा के साथ-साथ खेल गतिविधियों को भी विशेष महत्व दिया जाता है। नियमित अभ्यास, अनुशासन, आत्मविश्वास और उचित मार्गदर्शन से विद्यार्थी अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं। डी.ए.वी. एम.पी.एस. जांता के खिलाड़ियों की यह सफलता विद्यालय के लिए गौरव का विषय है। राष्ट्रीय स्तर पर चयनित खिलाड़ी अब आगामी प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए विद्यालय और क्षेत्र का नाम रोशन करने के लिए तैयार हैं। उनकी उपलब्धि अन्य विद्यार्थियों को भी खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने और निरंतर मेहनत करने के लिए प्रेरित करेगी।

8वीं वाहिनी के 2001 बैच की रजत जयंती में देशभर से जुटे साथी, ताजा कीं पुरानी यादें

25 साल बाद फिर लौटा भर्ती का पहला दिन, नव आरक्षक सा दिखा जोश

राजनांदगांव। छत्तीसगढ़ प्रदेश निर्माण के बाद गठित पहली बटालियन के रूप में गौरव हासिल करने वाली 8वीं वाहिनी के वर्ष 2001 बैच के जवानों ने सेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में रजत जयंती समारोह का आयोजन किया गया। समय बीतता गया, जिम्मेदारियां और पद बदलते गए, लेकिन 2001 बैच के जवानों के दिलों में साथ बिताए दिनों की यादें आज भी उतनी ही ताजा हैं। 25 वर्ष बाद जब 8वीं वाहिनी छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल, राजनांदगांव के वर्ष 2001 बैच के साथी रजत जयंती समारोह में एक साथ जुटे तो माहौल कुछ ऐसा बना, मानो भर्ती का पहला दिन फिर लौट आया हो। इस बैच की खासियत यह रही कि समय के साथ कई साथियों ने अपनी शिक्षा

जारी रखी और आज कोई प्रोफेसर, कोई सब इंस्पेक्टर, इंस्पेक्टर, डीएसपी तो कोई अन्य महत्वपूर्ण शासकीय पद पर कार्यरत है। लेकिन रजत जयंती के इस अवसर पर पद और प्रतिष्ठा की सारी सीमाएं पीछे छूट गईं। सभी साथी एक-दूसरे से उसी आत्मीयता से मिले, जैसे 25 वर्ष पहले भर्ती के दौरान मिले थे। किसी ने साथी को गले लगाया तो किसी ने पुराने प्रशिक्षण और ड्यूटी के किस्से सुनाए। कोई पुरानी तस्वीरों को देखकर भावुक हुआ तो कोई साथ बिताए पलों को याद कर मुस्कुराता नजर आया। कार्यक्रम में मिर्जा हबीब बे, संजय सिंह, दिनेश सिंह, मनोज राजपूत, कृष्ण श्रीवास्तव, षडानंद तिवारी, टीनू थामस, विजय देवदास, शरद तिवारी, पुखराज साहू, क्राति साहू, लीलाधर ठाकुर, यूनुस खान व अन्य साथी मौजूद रहे।

कार्यक्रम में वीर साथियों को दी गई श्रद्धांजलि

कार्यक्रम में वर्ष 2001 बैच के उन वीर साथियों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई, जिन्होंने कर्तव्य का निर्वहन करते हुए वीरगति प्राप्त की। साथ ही उन दिवंगत साथियों को भी श्रद्धापूर्वक नमन किया गया, जिन्होंने अपने जीवन के सफर में इस बैच के साथियों की यादों में अमिट स्थान बनाया। श्रद्धांजलि के दौरान माहौल भावुक हो गया और साथियों ने उनके योगदान एवं स्मृतियों को नमन किया। रजत जयंती समारोह के अवसर पर वर्ष 2001 बैच के उपस्थित साथियों को प्रतीक चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। सम्मान प्राप्त करते समय साथियों के चेहरे पर 25 वर्षों की यात्रा का गर्व और भावनात्मक खुशी दोनों नजर आई।

देशभक्ति के रंग में रंगी रैली, जमकर थिरके जवान

समारोह के दौरान रैली भी निकाली गई। रैली में 2001 बैच के जवानों ने पूरे उत्साह के साथ हिस्सा लिया। देशभक्ति गीतों की धुन पर जवानों ने जमकर उत्साह व्यक्त किया। 25 वर्ष की उम्र बढ़ने के बावजूद जोश में कोई कमी नजर नहीं आई। ऐसा लग रहा था कि सभी फिर से अपने आरंभिक प्रशिक्षण के दिनों में लौट आए हैं। वर्ष 2001 में गृह पुलिस विभाग के आदेश पर नक्सल प्रभावित क्षेत्र जिला राजनांदगांव में नक्सल उन्मूलन के उद्देश्य से भारत रक्षित वाहिनी का गठन किया गया था। इस इकाई में वर्ष 2001 में कुल 654 जवान भर्ती हुए। प्रथम बैच में कुल 250 जवानों ने पुलिस प्रशिक्षण विद्यालय माना, रायपुर में बुनियादी प्रशिक्षण प्राप्त किया। द्वितीय बैच के 350 जवानों ने पुलिस प्रशिक्षण विद्यालय राजनांदगांव में तथा तृतीय बैच के 44 जवानों ने 4वीं वाहिनी छसबल माना, रायपुर में बुनियादी प्रशिक्षण प्राप्त किया।

जनहित में किए गए कार्य के लिए वार्ड वासियों अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों का जताया आभार

दल्लीराजहरा। वार्ड क्रमांक 08, राम मंदिर वार्ड के सामने स्थित बड़े नाले की सफाई का कार्य 31 अगस्त को तत्काल प्रभाव से कराया गया है। लंबे समय से नाले की सफाई नहीं होने के कारण उसमें पेड़-पौधे एवं गंदगी जमा हो गई थी, जिससे उसे रोड में आने जाने वाले राहगीरों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। जनता की समस्या को संज्ञान में लेते हुए पूर्व पार्षद स्वप्निल तिवारी द्वारा इस विषय से मुख्य नगर पालिका अधिकारी एवं नगर पालिका अध्यक्ष तोरण लाल साहू को अवगत कराया गया, जिसके पश्चात नाले की सफाई का कार्य कराया गया।

इस त्वरित कार्रवाई एवं जनहित में किए गए कार्य के लिए वार्ड क्रमांक 08 के समस्त वार्ड वासियों ने मुख्य नगर पालिका अधिकारी सीमा बक्शी एवं नगर पालिका तोरणलाल साहू का हृदय से आभार एवं धन्यवाद व्यक्त करते हैं।

संक्षिप्त समाचार

बिजली निजीकरण के आरोपों पर सीएम साय का पलटवार, बोले- सरकार की ऐसी कोई मंशा नहीं

रायपुर। छत्तीसगढ़ में बिजली के निजीकरण को लेकर सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। कांग्रेस की ओर से लगाए जा रहे निजीकरण के आरोपों पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रतिक्रिया देते हुए इसे भ्रामक और तथ्यहीन बताया है। मुख्यमंत्री ने साफ कहा कि राज्य सरकार की बिजली व्यवस्था के निजीकरण की कोई योजना या मंशा नहीं है। पत्रकारों से चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री साय ने कहा कि जिस सुनवाई को बिजली के निजीकरण से जोड़कर प्रचारित किया जा रहा है, वह दरअसल एक सामान्य और नियमित प्रक्रिया का हिस्सा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी प्रक्रिया के तहत सुनवाई होने का मतलब यह नहीं है कि सरकार बिजली वितरण व्यवस्था को निजी हाथों में सौंपने जा रही है। मुख्यमंत्री ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि विपक्ष इस मुद्दे को लेकर जनता के बीच भ्रम की स्थिति पैदा करने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने प्रदेशवासियों से अपील की कि वे ऐसे भ्रामक प्रचार पर भरोसा न करें और तथ्यों को समझने के बाद ही किसी निष्कर्ष पर पहुंचें। गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज ने राजधानी में बिजली वितरण में निजी भागीदारी को लेकर आपत्ति जताई थी। उन्होंने दावा किया था कि एक निजी कंपनी ने राजधानी क्षेत्र में बिजली वितरण के लिए लाइसेंस की मांग की है। बैज ने आरोप लगाया था कि निजी कंपनियों को बिजली वितरण का लाइसेंस दिए जाने से उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ सकता है। उन्होंने कहा था कि कांग्रेस बिजली के निजीकरण के किसी भी प्रयास का हर स्तर पर विरोध करेगी। अब मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के बयान के बाद बिजली के निजीकरण को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच सियासी बहस और तेज होने के आसार हैं।

रायपुर में युवक हत्याकांड का खुलासा, 4 नाबालिग हिरासत में; ट्रेन से भागने की कोशिश नाकाम

रायपुर। पुरानी बस्ती थाना क्षेत्र के अश्वनी नगर में युवक की हत्या के मामले में रायपुर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को हिरासत में लिया है। पुलिस के अनुसार, पकड़े गए सभी आरोपी नाबालिग हैं और फिलहाल उनसे घटना को लेकर विस्तृत पूछताछ की जा रही है। पुलिस के मुताबिक, 30 अगस्त की रात करीब 11 बजे अश्वनी नगर में एक युवक के गंभीर रूप से घायल अवस्था में पड़े होने की सूचना मिली थी। सूचना पर पुरानी बस्ती थाना पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। घायल युवक को तत्काल उपचार के लिए एम्स रायपुर ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी वरिष्ठ अधिकारियों को दी गई। इसके बाद पुलिस टीम ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण करते हुए आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू की और मामले की जांच तेज कर दी। जांच के दौरान पुलिस ने हत्या में शामिल संदिग्धों की पहचान कर ली। इसी बीच पुलिस को सूचना मिली कि आरोपी वारदात के बाद ट्रेन के जरिए रायपुर से बाहर निकलने की कोशिश कर रहे हैं। सूचना की पुष्टि के बाद रायपुर पुलिस ने आरपीएफ के साथ समन्वय स्थापित किया और कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को बिलासपुर में पकड़ लिया, जबकि एक अन्य आरोपी को स्थानीय स्तर पर हिरासत में लिया गया। पुलिस के अनुसार, प्रारंभिक पूछताछ और जांच में हत्या के पीछे आपसी रंजिश की बात सामने आई है। पकड़े गए चारों आरोपी विधि से संघर्षरत बालक हैं। उनसे घटना से जुड़े अन्य पहलुओं को लेकर पूछताछ जारी है। पुलिस ने यह भी बताया कि आरोपियों में से एक नाबालिग कुछ दिन पहले ही लूट की एक अन्य घटना के मामले में बाल संप्रेक्षण गृह से बाहर आया था। पुलिस के मुताबिक, बाहर आने के बाद उसने कथित तौर पर इस हत्या की वारदात में भी हिस्सा लिया।

बलौदाबाजार से चोरी वर्ना कार पंजाब में बरामद, तीन अंतरराज्यीय चोर गिरफ्तार

रायपुर। बलौदाबाजार-भाटापारा पुलिस ने वाहन चोरी के मामले में बड़ी सफलता हासिल करते हुए पंजाब के मोगा से तीन शातिर अंतरराज्यीय चोरों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से करीब 6.50 लाख रुपये कीमत की वर्ना कार और चोरी में इस्तेमाल किए गए हथियारनुमा औजार बरामद किए गए हैं। पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने 22 और 23 अगस्त की दरमियानी रात लवन रोड स्थित एक कृषि यंत्र रिपेयरिंग दुकान के बाहर खड़ी वर्ना कार क्रमांक सीजी 09 जेएल 2169 को निशाना बनाया था। बताया गया कि आरोपी दुकान में काम करने के बहाने पहले से कार मालिक की गतिविधियों पर नजर रख रहे थे। वारदात की रात आरोपियों ने लोहे की भारी रॉड और हथौड़े से कार के पहियों व बॉडी में लगी सांकल-ताला तोड़ा। इसके बाद कार के लॉक और इग्निशन से छेड़छाड़ कर उसे कुछ ही मिनटों में स्टार्ट किया और लेकर फरार हो गए। पुलिस के मुताबिक, आरोपी चोरी की कार को बिलासपुर, प्रयागराज और दिल्ली के रास्ते पंजाब ले गए।

उच्च शिक्षा के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ लगाएगा नई छलांग

मुख्यमंत्री की पहल से नवा रायपुर में खुलेगा प्रतिष्ठित एनएमआईएमएस...

- नवा रायपुर की राष्ट्रीय स्तर के एजुकेशन हब के रूप में मजबूत होगी पहचान
- सेक्टर-18 में 40 एकड़ में आकार लेगा राष्ट्रीय स्तर का शिक्षण संस्थान, मुख्यमंत्री की उपस्थिति में लीज अनुबंध और भूमि रजिस्ट्री की प्रक्रिया पूरी

रायपुर / संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ को उच्च शिक्षा, कौशल और ज्ञान के क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में शामिल करने की दिशा में आज एक महत्वपूर्ण उपलब्धि जुड़ गई। देश के प्रतिष्ठित उच्च शिक्षण संस्थानों में शामिल नरसी मोंजी इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज अब नवा रायपुर अटल नगर में अपना कैंपस स्थापित करेगा। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की उपस्थिति में आज संस्थान की स्थापना के लिए लीज अनुबंध की प्रक्रिया पूरी होने के साथ ही भूमि की रजिस्ट्री भी पूर्ण कर ली गई। इसके साथ ही नवा रायपुर में एनएमआईएमएस की स्थापना का मार्ग प्रशस्त हो गया है। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर कहा कि छत्तीसगढ़ के युवाओं को गुणवत्तापूर्ण और आधुनिक उच्च शिक्षा के लिए बड़े महानगरों की ओर न जाना पड़े तथा उन्हें अपने ही प्रदेश में देश के प्रतिष्ठित संस्थानों के समान अवसर मिलें, इस दिशा में राज्य सरकार लगातार कार्य कर रही है। हस्ब्रूस की स्थापना इसी संकल्प की महत्वपूर्ण कड़ी है। उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, कौशल विकास और रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराकर प्रदेश की युवा शक्ति को भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार करना सरकार की प्राथमिकता है। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा, वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी, प्रमुख सचिव श्री सुबोध सिंह, आवास एवं पर्यावरण सचिव श्री अंकित आनंद तथा नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री चंदन कुमार उपस्थित थे। नवा रायपुर अटल नगर के सेक्टर-18 में लगभग 40 एकड़ भूमि पर एनएमआईएमएस का आधुनिक कैंपस विकसित किया जाएगा। संस्थान का संचालन करने वाले श्री विले पार्ले केलवणी मंडल को यह भूमि 90 वर्षों की लीज पर प्रदान की गई है। राज्य मंत्रिपरिषद द्वारा 21 जनवरी 2026 को संस्थान के लिए भूमि आवंटन के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की गई थी। इसके बाद आवश्यक प्रक्रियाओं को तेजी से आगे बढ़ाते हुए आज लीज अनुबंध और भूमि रजिस्ट्री की महत्वपूर्ण प्रक्रिया पूरी कर ली गई। संस्थान की स्थापना की संपूर्ण प्रक्रिया आगामी सात वर्षों में पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है। हालांकि प्रदेश के विद्यार्थियों को इसका लाभ इससे पहले ही मिलने लगेगा। दो से तीन वर्षों के भीतर पहला शैक्षणिक बैच प्रारंभ करने का लक्ष्य रखा गया है।

अवैध शराब के खिलाफ पुलिस की बड़ी कार्रवाई दस लीटर शराब जब्त

रायपुर/ संवाददाता

कबीरधाम जिले में अवैध शराब के संग्रहण, परिवहन और बिक्री के खिलाफपुलिस ने लगातार कार्रवाई तेज कर दी है। इसी क्रम में कवर्धा और लोहारा पुलिस ने अलग-अलग कार्रवाई करते हुए कुल 10.8 लीटर अवैध शराब जब्त की है। दोनों मामलों में आरोपियों के खिलाफआबकारी एक्ट के तहत अपराध दर्ज कर कार्रवाई की गई है। पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र कुमार यादव के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हेमसागर सिदार एवं अमित पटेल के मार्गदर्शन में अवैध शराब के कारोबार पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए जिले में लगातार अभियान चलाया जा रहा है। उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय आशीष शुक्ला के दिशा-निर्देश में पुलिस टीमों द्वारा संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है। थाना सिटी कोतवाली प्रभारी निरीक्षक लालजी सिन्हा के नेतृत्व में पुलिस टीम ने ग्राम घोठिया में कार्रवाई करते हुए सुखचैन पिता नैनदास चंदेल (65 वर्ष) निवासी घोठिया को अवैध शराब का परिवहन करते पकड़ा। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 5,040 मिलीलीटर अवैध शराब, जिसकी कीमत करीब 3,300 रुपये बताई गई है, गवाहों के समक्ष बरामद कर जब्त की। मामले में थाना सिटी कोतवाली में अपराध क्रमांक 341/26, धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की गई। इस कार्रवाई में प्रधान आरक्षक क्रमांक 282 बलेश धुर्वे की महत्वपूर्ण भूमिका रही। इसी तरह थाना लोहारा प्रभारी निरीक्षक मनीष मिश्रा के नेतृत्व में पुलिस टीम ने ईंरिमकसा तिराहा के पास घेराबंदी कर मुकेश पिता अरूण लहरे (36 वर्ष) निवासी सिल्हाटी को अवैध शराब के साथ रंगे हाथों पकड़ा। आरोपी के कब्जे से 5,760 मिलीलीटर अवैध शराब, जिसकी कीमत करीब 2,560 रुपये है, बरामद कर जब्त की गई। मामले में थाना लोहारा में अपराध क्रमांक 119/26, धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की गई।

खाद की अधिक कीमत वसूली की शिकायत पर कृषि विभाग की जांच

रायपुर/ संवाददाता

नगर पंचायत कोतबा में निजी खाद विक्रेताओं द्वारा किसानों से रासायनिक उर्वरकों की निर्धारित शासकीय दर से अधिक कीमत वसूल किए जाने की प्रकाशित खबर के बाद कृषि विभाग ने मामले की जांच की। विभागीय अधिकारियों की टीम ने संबंधित खाद विक्रय प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर स्टॉक, दस्तावेज और विक्रय दरों का परीक्षण किया। कृषि विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, 17 अगस्त 2026 को प्रकाशित समाचार में कोतबा के निजी उर्वरक विक्रेताओं पर किसानों को निर्धारित दर से अधिक कीमत पर खाद बेचने का आरोप सामने आया था। मामले की वास्तविक स्थिति जानने के लिए 26 अगस्त 2026 को कृषि विभाग की टीम ने कोतबा स्थित निजी उर्वरक दुकानों का निरीक्षण किया। जांच दल में अनुविभागीय कृषि अधिकारी आर.के. पैंकरा, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी जीवन एक्का और उर्वरक निरीक्षक देव कांत अजगल्ले शामिल रहे। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने दुकानों में उपलब्ध रासायनिक उर्वरकों के भौतिक स्टॉक का सत्यापन किया। इसके बाद स्टॉक का मिलान स्टॉक रजिस्टर और पीओएस रिकॉर्ड से किया गया। साथ ही खाद बिक्री से संबंधित बिल बुक एवं विक्रय रजिस्टर की भी जांच की गई। अधिकारियों ने दुकानों पर उर्वरकों के लिए प्रदर्शित शासकीय विक्रय दर का भी परीक्षण किया। इसके अलावा मौके पर मौजूद आसपास के किसानों से बातचीत कर खाद की बिक्री दर और निर्धारित मूल्य से अधिक राशि लिए जाने संबंधी जानकारी हासिल की गई। विभाग के अनुसार, जांच के दौरान उपलब्ध भौतिक स्टॉक, स्टॉक रजिस्टर और बिल बुक के परीक्षण में निर्धारित शासकीय दर से अधिक कीमत पर रासायनिक उर्वरक बेचे जाने का कोई तथ्य या प्रकरण सामने नहीं आया।

धमतरी में नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत अभियान
युवाओं ने लिया नशामुक्ति और पोषण का संकल्प

एम्वे ने आयुर्वेद में विस्तार के साथ 'विकसित भारत' के लक्ष्य को दिया समर्थन

न्यूट्रिलाइट आयुर्वेद के तहत नौ नए उत्पाद; दो साल में 100 करोड़ रुपये के कारोबार का लक्ष्य

रायपपुर। भारत की राष्ट्र-निर्माण की प्राथमिकताओं और 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य से जुड़ते हुए, हेल्थ और वेलनेस कंपनी एम्वे इंडिया ने आज न्यूट्रिलाइट आयुर्वेद के साथ आयुर्वेद में एक अहम रणनीतिक कदम की घोषणा की। यह कदम ऐसे समय आया है जब उपभोक्ता पेड़-पौधों पर आधारित उत्पादों की ओर बढ़ रहे हैं, बीमारी से पहले बचाव को अहमियत दे रहे हैं, और सरकार आयुष को लगातार मजबूत कर रही है। कंपनी ने इस श्रेणी में नौ नए आयुर्वेदिक उत्पाद उतारे हैं और अगले दो साल में इसे 100 करोड़ रुपये का कारोबार बनाने का लक्ष्य रखा है। इनमें इस्तेमाल होने वाली जड़ी-बूटियां ऑर्गेनिक खेती करने वाले न्यूट्रीसर्ट प्रमाणित खेतों से जिम्मेदारी के साथ ली जाती हैं और उत्पाद तमिलनाडु स्थित एम्वे की अत्याधुनिक फैक्ट्री में तैयार होते हैं। यह कदम एम्वे इंडिया के उत्पादों की श्रृंखला बढ़ाने भर का नहीं है। यह भारत में आयुर्वेद से जुड़ी पूरी आर्थिक श्रृंखला को मजबूत करने का मौका है, जिसमें जड़ी-बूटियों की जिम्मेदार खरीद, स्थानीय खेती, मैन्युफैक्चरिंग, वैज्ञानिक शोध, इनोवेशन और रोजगार शामिल हैं। न्यूट्रिलाइट के 90 साल से अधिक के बॉटनिकल साइंस के अनुभव और भारत में एक दशक की विनिर्माण क्षमता के साथ कंपनी आयुर्वेद के सदियों पुराने ज्ञान को आधुनिक विज्ञान की कसौटी पर परख रही है। वेलनेस की यह सोच भारत में, भारत के लिए तैयार हुई है और इसमें देश की पारंपरिक वेलनेस परंपरा को दुनिया तक ले जाने की क्षमता है। इस लॉन्च के मौके पर एम्वे इंडिया के प्रबंध निदेशक श्री रजनीश चोपड़ा ने कहा, भारत में पारंपरिक स्वास्थ्य और वेलनेस का पूरा परिदृश्य बदल रहा है। सरकार का जोर आयुष को मजबूत करने और आयुर्वेद को देश की स्वास्थ्य व्यवस्था का अहम हिस्सा बनाने पर है। इससे देश के भीतर आयुर्वेद को मजबूत आधार मिला है और दुनिया में इसकी पहचान भी बढ़ी है। जैसे-जैसे भारत आयुर्वेद से जुड़े इनोवेशन और विनिर्माण में अपनी क्षमता बढ़ाएगा, यह बढ़ता इकोसिस्टम नए आर्थिक अवसर पैदा कर सकता है, भारत की क्षमताओं को मजबूत कर सकता है और पारंपरिक वेलनेस के वैश्विक केंद्र के रूप में देश को उभरने में मदद कर सकता है। यह दिशा एम्वे इंडिया के विकास के अगले चरण और 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य, दोनों से मेल खाती है। आयुर्वेद की अपार क्षमता पर भरोसा जताते हुए हमने अगले दो साल में न्यूट्रिलाइट आयुर्वेद को 100 करोड़ रुपये का कारोबार बनाने का लक्ष्य रखा है। पोषण की गहरी विशेषज्ञता, न्यूट्रिलाइट के 90 साल से अधिक के बॉटनिकल साइंस और वैज्ञानिक प्रमाणों के साथ एम्वे इंडिया आयुर्वेद के लिए भारत के रणनीतिक रोडमैप में योगदान देने की खास स्थिति में है।

उन्होंने आगे कहा, आयुर्वेद अब लोगों की रोजमर्रा की सेहत का हिस्सा बन रहा है। लेकिन उपभोक्ता उसमें भी वही पारदर्शिता, वही एकसमान गुणवत्ता और वही वैज्ञानिक प्रमाण चाहते हैं, जिसकी उम्मीद वे आधुनिक वेलनेस उत्पादों से करते हैं। न्यूट्रिलाइट में हमारा मानना है कि भरोसा ही हर पेशकश की बुनियाद है। न्यूट्रिलाइट आयुर्वेद के लिए 'हर जड़ी-बूटी की अपनी कहानी है और हम उसकी सच्चाई सुनिश्चित करते हैं', यह सिर्फ एक वादा नहीं है। यह उपभोक्ता तक पहुंचने वाली हर जड़ी-बूटी की गुणवत्ता और ट्रेसेबिलिटी के प्रति हमारी प्रतिबद्धता है, ताकि लोग पूरे भरोसे के साथ आयुर्वेद अपना सकें।

छत्तीसगढ़-ओडिशा सीमा पर तस्करी नेटवर्क का खुलासा

रायपुर। संवाददाता

उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व (यूएसटीआर) ने छत्तीसगढ़-ओडिशा सीमा पर सक्रिय इमारती लकड़ी तस्करी नेटवर्क के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। टाइगर रिजर्व की टीम ने ओडिशा पुलिस और नबरंगपुर वन विभाग के साथ मिलकर 24 अगस्त को ओडिशा के दसपुर गांव में अंतरराज्यीय तस्करी विरोधी अभियान चलाया। कार्रवाई के दौरान बड़ी मात्रा में अवैध इमारती लकड़ी बरामद की गई। जांच के दौरान सामने आई एक जानकारी ने वन अधिकारियों को भी चौंका दिया है। बताया जा रहा है कि बरामद करीब 3 घन मीटर चिरान लकड़ी को दो साल पहले भी अभयारण्य प्रशासन द्वारा जब्त किया जा चुका था। अब इस पूरे मामले की तह तक जाने के लिए पड़ताल शुरू कर दी गई है। उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व के उपनिदेशक वरुण जैन ने बताया कि दसपुर गांव में पिछले करीब डेढ़ साल के दौरान दो बड़े अभियान चलाए जा चुके हैं। इन कार्रवाइयों में करीब 30 आरोपियों की गिरफ्तारी भी हुई थी। जब्त सामग्री रायघर वन परिक्षेत्र के सुपुर्द की गई थी, लेकिन बार-बार पत्राचार के बावजूद वहां से जब्ती प्रतिवेदन उपलब्ध नहीं कराया गया। उन्होंने बताया कि 24 अगस्त की कार्रवाई के दौरान कुछ अपुष्ट जानकारी सामने आई है। इसके अनुसार, इस बार बरामद की गई इमारती लकड़ी को पहले भी जब्त किया जा चुका था। सूचना की पुष्टि के लिए रायघर वन अधिकारियों को पत्र लिखकर जानकारी मांगी गई है।

मुख्य सचिव ने ई-ऑफिस एवं समयबद्ध उपस्थिति में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए अधिकारी कर्मचारी को किया सम्मानित

विभागाध्यक्ष और जिला कार्यालयों को भी किया सम्मानित

रायपुर/ संवाददाता

मुख्य सचिव श्री विकासशील ने आज मंत्रालय महानदी भवन, नवा रायपुर अटल नगर में आयोजित मासिक सम्मान कार्यक्रम में ई-ऑफिस के माध्यम से नस्तियों के त्वरित एवं प्रभावी निराकरण तथा कार्यालयीन समयबद्ध उपस्थिति सुनिश्चित करने वाले मंत्रालयीन अधिकारी एवं कर्मचारियों को जुलाई माह के लिए प्रशंसा पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। इसी प्रकार से ई-ऑफिस में सर्वश्रेष्ठ कार्य के लिए लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग को प्रथम, आदिम जाति विकास विभाग को दूसरा तथा ग्रामोद्योग विभाग को तीसरे स्थान पर सम्मानित किया गया। मुख्य सचिव ने सभी सम्मानित प्रशंसा पत्र प्राप्त करने वाले अधिकारी एवं कर्मचारियों को शुभकामनाएं एवं बधाई देते हुए कहा कि सभी अधिकारी-कर्मचारी ई-ऑफिस में लगातार अच्छा प्रदर्शन करें यही अपेक्षा है। उन्होंने आई-गाट पर प्रत्येक माह कम से कम 3 से 4 कोर्स प्रत्येक अधिकारी-कर्मचारी अपने विभाग की आवश्यकता के अनुसार अवश्य करें। मुख्य सचिव ने प्रदेश स्तर पर आई गाट में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले अधिकारी-कर्मचारियों प्रशंसा पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। संयुक्त सचिव से कनिष्ठ सचिवालय सहायक श्रेणी में ई-ऑफिस रैंकिंग के लिए पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अपर सचिव श्री सच्चिदानंद आलोक प्रथम, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग की संयुक्त सचिव श्रीमती जयश्री जैन द्वितीय, आदिम जाति विकास विभाग के संयुक्त सचिव श्री भूपेन्द्र कुमार राजपूत तृतीय स्थान पर सम्मानित किया गया। वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के उप सचिव श्री दूरदेशी राम सोन्टापर विभाग प्रथम स्थान, श्रम विभाग के उप सचिव श्री विपुल कुमार गुप्ता द्वितीय स्थान, सामान्य प्रशासन विभाग (कक्ष-8) के उप सचिव श्रीमती ऋतु वर्मा तृतीय स्थान पर सम्मानित किया हुए। गृह विभाग के अवर सचिव श्री पूरन लाल साहू प्रथम स्थान, सामान्य प्रशासन विभाग (कक्ष-1) के अवर सचिव श्री कैलाश कुमार नेताम द्वितीय स्थान, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की अवर सचिव श्रीमती दिव्या वैष्णव तृतीय स्थान पर सम्मानित किया। लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण के अनुभाग अधिकारी श्री वीरेन्द्र कुमार प्रथम स्थान, अनुभाग अधिकारी श्री जीवन लाल नेताम द्वितीय स्थान, वाणिज्य एवं उद्योग विभाग के अनुभाग अधिकारी श्री योगेन्द्र कुमार साहू तृतीय स्थान पर सम्मानित किया हुए। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के सहायक अनुभाग अधिकारी श्री मोहम्मद शाहिर अंसारी प्रथम स्थान, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण के सहायक अनुभाग अधिकारी श्रीमती प्रिया बागड़े द्वितीय स्थान, सामान्य प्रशासन विभाग (कक्ष-4) के सहायक अनुभाग अधिकारी श्री जलेश राम तृतीय स्थान पर सम्मानित हुए। लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण वरिष्ठ सचिवालय सहायक श्री मुकेश राम प्रधान प्रथम स्थान, अनुसूचित जाति विकास विभाग के वरिष्ठ सचिवालय सहायक श्री गौरव कुमार राय द्वितीय स्थान, वरिष्ठ सचिवालय सहायक श्रीमती अंजू दत्ता तृतीय स्थान पर सम्मानित हुए।

संपादकीय

शुरू से रहे स्पष्टता, जाति जनगणना में कांग्रेस की आपत्ति

केंद्र सरकार ने जाति जनगणना की तारीखों का ऐलान करते हुए बताया कि यह कार्य चुनौतीपूर्ण रहेगा। जबकि, भारत की राजनीति में जाति का हमेशा महत्वपूर्ण स्थान रहा है, उसे निर्धारित करना कठिन साबित हो सकता है। जनगणना की प्रक्रिया शुरू हो गई है और जाति की गणना दूसरे चरण में होगी, लेकिन इसके संबंध में सवाल उठने लगे हैं।केंद्र सरकार ने पिछले साल जब जाति जनगणना कराने की तारीखों का ऐलान किया, तभी स्पष्ट था कि यह काम चुनौतीपूर्ण रहने वाला है। देश की राजनीति में जाति हमेशा अहम रही है, लेकिन इसे निश्चित करना उतना ही मुश्किल। अभी जनगणना की प्रक्रिया शुरू ही हुई है और जाति की गणना दूसरे चरण में की जाएगी, लेकिन सवाल उठने शुरू हो गए है।कांग्रेस की आपत्ति। कांग्रेस का आरोप है कि जाति जनगणना में ओबीसी का कॉलम नहीं है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने आंकड़े जुटाने के तरीकों पर भी अंगुली उठाई है। उनकी आपत्ति इस बात पर है कि जाति का कॉलम खुला अपनी जाति खुद लिखनी है। अब चूंकि देश के विभिन्न हिस्सों में एक ही जाति को अलग-अलग नामों से जाना जाता है, तो आंकड़े उलझे हुए मिल सकते हैं। इससे कोई निष्कर्ष निकालना बहुत मुश्किल होगा। 2011 की गलती।इस आशंका को पूरी तरह खारिज नहीं किया जा सकता। 2011 की सामाजिक-आर्थिक और जाति जनगणना में भी इसी फॉर्मेट का इस्तेमाल किया गया था। तब 46 लाख से ज्यादा जातियां, उपजातियां, उपनाम दर्ज हो गए थे। इन आंकड़ों में इतनी विसंगति थी कि सरकार ने इनको जारी नहीं किया। कांग्रेस का सुझाव है कि लोगों पर छोड़ने के बजाय जातियों की पहले से एक तय लिस्ट होनी चाहिए। इससे एक जाति एक ही नाम से दर्जजाति जनगणना का उद्देश्य केवल यह पता लगाना नहीं है कि देश में कितनी जातियां और उनकी कितनी आबादी है, बल्कि यह जानना भी है कि अलग-अलग सामाजिक समूहों को वास्तविक स्थिति क्या है। असमानता दूर करने के लिए लागू की गई नीतियां कितनी कारगर रहीं और आगे उनमें किन बदलावों की दरकार है. इसकी सही तस्वीर जानने के लिए आंकड़ों की शुद्धता मायने रखती है। इसी से शिक्षा, रोजगार और सरकारी योजनाओं को अधिक प्रभावी बनाया जा सकेगा। अगर किसी तरह का सवाल या संदेह है, तो उसे पहले ही दूर कर लिया जाना चाहिए। इसके लिए जो भी सुझाव आते हैं, उन पर विचार-विमर्श करने में हर्ज नहीं है। साथ ही, यह भी स्पष्ट रहना बहुत जरूरी है कि जुटाए गए आंकड़ों का इस्तेमाल किस तरह किया जाएगा। जाति जनगणना का देश की राजनीतिक और सामाजिक स्थिति पर गहरा असर पड़ने वाला है। इसलिए प्रक्रिया पूरी तरह भरोसेमंद और सवालों के परे होनी चाहिए।

महाराष्ट्र के ऑटो-रिक्शा और टैक्सी चालकों के लिए कामचलाऊ मराठी भाषा जरूरी किए जाने को लेकर विवाद उठना स्वाभाविक है। यह विवाद बांबे हाईकोर्ट भी पहुंच गया है। महाराष्ट्र सरकार ने इस नियम को लागू करते हुए तर्क दिया है कि इससे यात्रियों और टैक्सी-ऑटो चालकों के बीच भरोसा बढ़ेगा और यात्रियों में सुरक्षा का भाव रहेगा। मोटे तौर पर सरकार की यह दलील बेहतर लगती है, लेकिन जब राज्य की टैक्सियों और ऑटो की संख्या और उनके चालकों पर ध्यान देते हैं तो यह सवाल सिर्फ भाषा का नहीं रह जाता, बल्कि उपराष्ट्रीयता के उभार और उसके बहाने राष्ट्रीयता के विचार को चुनौती का भी हो जाता है। इस सोच का सिरा आगे बढ़ते हुए हिंदी विरोध और प्रकारांतर से पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड के प्रवासियों की मुखालफत तक जा पहुंचता है।

मराठी अस्मिताबोध की नई अभिव्यक्ति

(उमेश चतुर्वेदी)

भारतीय राष्ट्रीयता के समर्थन में 'विविधता में एकता' का पाठ हर भारतीय को स्कूली घुट्टी में मिला है। लेकिन जीवन की कठोर राहों पर उतरते हैं तो पता चलता है कि राष्ट्रीयता की असल धारा जितनी गहरे तक हिंदी हृदय प्रदेशों में बहती है, उतनी गैर हिंदीभाषी प्रदेशों में नजर नहीं आती।

महाराष्ट्र के ऑटो-रिक्शा और टैक्सी चालकों के लिए कामचलाऊ मराठी भाषा जरूरी किए जाने को लेकर विवाद उठना स्वाभाविक है। यह विवाद बांबे हाईकोर्ट भी पहुंच गया है। महाराष्ट्र सरकार ने इस नियम को लागू करते हुए तर्क दिया है कि इससे यात्रियों और टैक्सी-ऑटो चालकों के बीच भरोसा बढ़ेगा और यात्रियों में सुरक्षा का भाव रहेगा। मोटे तौर पर सरकार की यह दलील बेहतर लगती है, लेकिन जब राज्य की टैक्सियों और ऑटो की संख्या और उनके चालकों पर ध्यान देते हैं तो यह सवाल सिर्फ भाषा का नहीं रह जाता, बल्कि उपराष्ट्रीयता के उभार और उसके बहाने राष्ट्रीयता के विचार को चुनौती का भी हो जाता है। इस सोच का सिरा आगे बढ़ते हुए हिंदी विरोध और प्रकारांतर से पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड के प्रवासियों की मुखालफत तक जा पहुंचता है।

भारतीय राष्ट्रीयता के समर्थन में 'विविधता में एकता' का पाठ हर भारतीय को स्कूली घुट्टी में मिला है। लेकिन जीवन की कठोर राहों पर उतरते हैं तो पता चलता है कि राष्ट्रीयता की असल धारा जितनी गहरे तक हिंदी हृदय प्रदेशों में बहती है, उतनी गैर हिंदीभाषी प्रदेशों में नजर नहीं आती। दिलचस्प यह है कि राष्ट्रीयता के पुरजोर पोषक इन इलाकों को उपहास में कभी बीमारू कहा जाता था। इस पर गोबरपट्टी और गोबरनाडु का विशेषण खास धारा की वैचारिकी ने जो चस्पा कर रखा है। इस सोच की प्रमुख वजह आर्थिक रूप से इन इलाकों का अपेक्षाकृत उपराष्ट्रीयता वाले इलाकों से पिछड़े रहना है। इसी वजह से रोजी-रोटी की खातिर महाराष्ट्र के टैक्सी और ऑटो चालकों में सबसे बड़ी संख्या भदेस माने वाले बिहार, झारखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश आदि के प्रवासी शामिल हैं। जाहिर है कि मराठी का कामचलाऊ ज्ञान रखने के नियम का शिकार यही लोग ज्यादा हुए हैं। इससे इनकी ही रोजी-रोटी पर संकट बढ़ा है।

महाराष्ट्र के ताजा आर्थिक सर्वेक्षण के मुताबिक, राज्य में 12 लाख 96 हजार से ज्यादा ऑटो हैं, जबकि करीब पांच लाख टैक्सियां हैं। यहां के परिवहन विभाग के मुताबिक, अकेले ग्रेटर मुंबई इलाके में करीब पांच लाख टैक्सियां और ऑटो रिक्शा चल रहे हैं। इनमें करीब 75 फीसद ऑटो-टैक्सी चालक गैर मराठी और हिंदीभाषी इलाकों के ही हैं। राज्य के दूसरे इलाकों में करीब आधे ऑटो-टैक्सी चालक हिंदीभाषी हैं। महाराष्ट्र ही क्यों, किसी भी राज्य के सेवा क्षेत्र में कार्य करने वाले लोगों को वहां की स्थानीय भाषा आनी चाहिए। उनके रोजाना का काम स्थानीय भाषा के कामचलाऊ ज्ञान से चल सकता है। बड़ा सवाल यह है कि मराठी के कामचलाऊ ज्ञान का पैमाना क्या हो, महाराष्ट्र सरकार का आदेश इस मसले में स्पष्ट नहीं है। विवाद और परेशानी इस वजह से भी है।

सर्विस सेक्टर और रेहड़ी-पटरी लगाने वाले अक्सर कामकाज करते-करते स्थानीय भाषा सीख लेते हैं। दिल्ली के कनॉट प्लेस में हथकरघा और दस्तगारी का सामान बेचने वाली गुजराती महिलाएं कम शिक्षित हैं। लेकिन वे हिंदी ही नहीं, अंग्रेजी, जर्मन और स्पेनिश भी धाराप्रवाह बोल लेती हैं। तमिलनाडु को लेकर धारणा है कि वहां घोर हिंदी विरोधी माहौल है। लेकिन वहां के प्रमुख पर्यटन स्थल महाबलीपुरम् में भीख मांगने वाले भी बहुभाषी मिल जाते हैं, जो हिंदीभाषी सैलानियों से हिंदी में भीख मांगते हैं। वहां घूम-घूमकर छोटे-मोटे सामान बेचने वाली लड़कियां भी तकरीबन अनपढ़ हैं, लेकिन वे हिंदी, गुजराती, बांग्ला आदि बोल लेती हैं। चाहे कनॉट प्लेस के फुटपाथ पर दस्तगारी का सामान बेचने वाली गुजराती महिलाएं हों या कोलकाता की गलियों में दुकान लगाने वाले बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश के लोग हों, अगर वे अंग्रेजी और बांग्ला आदि बोलते हैं तो इसकी वजह कोई स्कूली शिक्षा नहीं, बल्कि रोजाना का संपर्क और जरूरत है। ऐसा नहीं कि महाराष्ट्र के ऑटो-टैक्सी चालक मराठी का कामचलाऊ ज्ञान या समझ नहीं रखते। यहां ध्यान रखने की बात है कि अपनी माटी से दूर जब कोई ऑटो या टैक्सी चलाने का काम चुनता है तो वह तत्काल सड़क पर नहीं उतरता। वह पहले सड़कों को पहचानता है, उनकी भाषा को समझने की कोशिश करता है।

भाषा विज्ञान की नजर से देखें तो मराठी, गुजराती और राजस्थानी ऐसी भाषाएं नहीं है, जिन्हें आम हिंदीभाषी समझ नहीं सकता। ठीक इसी तरह इन भाषा-भाषियों के लिए हिंदी भी ऐसी भाषा नहीं है, जिसे वे न समझ सकें। भाषा को लेकर जब भी कोई विवाद उठता है, पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त टीएन शेषन का एक इंटरव्यू याद आता है। जिसमें उन्होंने अपनी दादी की चारधाम यात्रा का जिक्र किया था। उनकी दादी ने शायद पिछली सदी के दूसरे दशक में तमिलनाडुके पालघाट इलाके के अपने गांव से चारधाम की यात्रा की थी और महीनों बाद सकुशल वापस लौट आई थीं। शेषन ने कहा था कि उनकी दादी तमिल के अलावा कोई अन्य भाषा नहीं जानती थीं, लेकिन उन्हें चारधाम यात्रा से दिक्कत नहीं हुई। सिर्फ शेषन ही नहीं, सदियों से लोग भारत के एक कोने से लेकर दूसरे कोने तक तीर्थ यात्राएं करते रहे हैं। आज तो तकनीक का विस्तार हो गया है, संचार क्रांति हो चुकी है। जब ये सहूलियतें नहीं थीं, तब क्या तीर्थ यात्राएं रुकीं। तब क्या भाषाएं बाधा बनीं। ऐसे में सवाल यह है कि फिर आज भाषा कैसे चुनौती बन सकती है।

कम ही लोग स्वीकार करेंगे, लेकिन राज्यों के पुनर्गठन के लिए बनाए गए फजल्रुरहमान आयोग की रिपोर्ट ही भाषायी उपराष्ट्रीयता को बढ़ावा देने वाली रही। आयोग ने भाषा के आधार पर राज्यों के पुनर्गठन की सिफारिश की थी। इसी के नजीतन भारतीय उपराष्ट्रीयताओं को अपनी भाषाओं के बहाने अपना वर्चस्व साबित करने का आधार मिल गया। इसी वजह से आए दिन राज्यों में अपनी भाषाओं को लेकर अस्मिताबोध जागता रहता है। इस बोध के निशाने पर अक्सर हिंदीभाषी ही रहते हैं। महाराष्ट्र सरकार में शामिल एकनाथ शिंदे की शिवसेना के मूल में भी मराठी उपराष्ट्रीयता और अस्मिताबोध रहा है। इस अस्मिताबोध को शिवसेना संस्थापक बाला साहब ठाकरे ने पहली अभिव्यक्ति 1960 के दशक में मुंबई में मलयाली भाषा-भाषियों के खिलाफ आंदोलन के जरिए दी और बाद के दिनों में उनके भतीजे राज ठाकरे तो इस अस्मिताबोध के दबंग पैरोकार बनकर उभरे। केंद्र सरकार और बैंकों आदि की नौकरियों के लिए परीक्षा देने मुंबई-नासिक आदि पहुंचे हिंदीभाषी छात्रों को बाकायदा पीटकर इस भाषा बोध को राज ठाकरे के कथित सैनिक दिखाते रहे। वे भूल गए कि बंग-भंग के खिलाफ आंदोलन के दौरान 1905 में मराठी मानुष के पूज्य पुरूष बाल गंगाधर तिलक ने वाराणसी की यात्रा की थी। इस दौरान 'काशी नागरी प्रचारिणी सभा' में दिए एक व्याख्यान में उन्होंने पुरजोर तरीके से 'हिंदी को भारत की राष्ट्रभाषा ' घोषित किया था। मराठी अस्मिताबोध के शोर में तिलक की यह आवाज अक्सर खोती रही है।

एक खतरा यह भी है कि मराठी के कामचलाऊ ज्ञान की शर्त राज्य के दूसरे धंधे में काम कर रहे लोगों पर भी बाद में लागू हो सकती है। चूंकि उपराष्ट्रीयता वाले इलाकों में अपनी भाषा और संस्कृति का मसला लोगों के मर्म को छूता है, इसलिए राजनीति अक्सर इसे उभारने की कोशिश करती है। मौका देखकर आने वाले दिनों में राज्य में कार्यरत निर्माण मजदूरों आदि पर भी यह शर्त थोपी जा सकती है। इससे निश्चित तौर पर प्रवासी हिंदीभाषियों के लिए संकट पैदा होगा, उससे पलायन भी बढ़ सकता है। जिसकी कीमत राज्य की अर्थव्यवस्था और उद्योग को भी चुकानी पड़ सकती है। इसलिए जरूरी है कि इस मसले पर सर्वमान्य और सर्वस्वीकार्य रास्ता तलाशा जाए। नियमों को बेड़ी नहीं, लोक का सहयोगी होना चाहिए। इस नजरिए से भी इस बारे में विचार होना चाहिए। आखिर में इस भाषा विवाद का एक सिरा देवेंद्र फड़णवीस के राजनीतिक करीयर से भी जुड़ता है। भारतीय जनता पार्टी का एक वर्ग उनमें राष्ट्रीय राजनीति की संभावना देखता है। महाराष्ट्र तक तो उनका मराठी अस्मिताबोध स्वीकार्य हो सकता है।

लेकिन जब वे राष्ट्रीय राजनीति में सफल होने की कोशिश करेंगे, अपनी भाषा बोध के बहाने हिंदीभाषियों का विरोध उनकी राह की बाधा बन सकता है। लेखक वरिष्ठ पत्रकार और राजनीतिक समीक्षक हैं। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

15 दिनों के भीतर दो बार एक मंच पर आएंगे मोदी-पुतिन और शी, ट्रंप की बेचैनी बढ़ी

(नीरज कुमार दुबे)

देखा जाये तो प्रधानमंत्री मोदी की उज्बेकिस्तान यात्रा और किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में 31 अगस्त से 1 सितंबर तक होने वाला एससीओ शिखर सम्मेलन ऐसे समय पर हो रहा है, जब मध्य एशिया वैश्विक शक्ति संघर्ष का नया मैदान बन चुका है।

भारतीय विदेश मंत्रालय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एससीओ शिखर सम्मेलन में शिरकत करने की पुष्टि करते हुए उनके उज्बेकिस्तान और किर्गिस्तान दौरे के कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी जिसके बाद पूरी दुनिया में हलचल-सी मच गयी है। हलचल इसलिए मची है क्योंकि जब भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग एक बार फिर एक साथ दिखाई देंगे, तो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सीने पर पिछले साल की तरह फिर से सांप लोट सकते हैं। पिछली बार चीन के तियानजिन में एससीओ मंच पर इन तीन नेताओं की तस्वीर ने अमेरिकी रणनीतिक हलकों में बेचैनी बढ़ा दी थी। तब पूर्व अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जॉन बोल्टन ने ट्रंप की टैरिफ नीतियों को भारत-अमेरिका रिश्तों को दशकों पीछे धकेलने वाला कदम बताया था और कहा था कि ऐसी नीतियों ने मोदी को पुतिन और शी के और करीब पहुंचा दिया। अब दृश्य और बड़ा है। पहले मध्य एशिया, फिर नई दिल्ली यानि पहले एससीओ और उसके तुरंत बाद ब्रिक्स। संदेश साफ है कि भारत किसी की रणनीतिक जागीर नहीं है।

देखा जाये तो प्रधानमंत्री मोदी की उज्बेकिस्तान यात्रा और किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में 31 अगस्त से 1 सितंबर तक होने वाला एससीओ शिखर सम्मेलन ऐसे समय पर हो रहा है, जब मध्य एशिया वैश्विक शक्ति संघर्ष का नया मैदान बन चुका है। चीन बेल्ट एंड रोड के जरिए अपनी पकड़ बढ़ा रहा है, रूस इस क्षेत्र को अपने पारंपरिक प्रभाव क्षेत्र के रूप में देखता है और अमेरिका भी यहां अपनी मौजूदगी तथा रणनीतिक पहुंच बनाए रखने की कोशिश में है। ऐसे में मोदी की सक्रिय कूटनीति भारत को खेल का महत्वपूर्ण खिलाड़ी बना रही है।

उज्बेकिस्तान इस रणनीति का अहम केंद्र है। मोदी की प्रस्तावित ताशकंद यात्रा व्यापार, रक्षा, निवेश, कनेक्टिविटी, डिजिटल तकनीक, ऊर्जा और महत्वपूर्ण खनिजों जैसे क्षेत्रों में सहयोग को नई गति दे सकती है। पिछले पांच वर्षों में भारत-उज्बेकिस्तान व्यापार में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और द्विपक्षीय कारोबार लगभग 1.3 अरब डॉलर तक पहुंचने का उल्लेख किया गया है। भारत का निवेश फार्मास्यूटिकल्स, स्वास्थ्य, शिक्षा और अन्य क्षेत्रों में फैला है, जबकि भारतीय विश्वविद्यालय भी उज्बेकिस्तान में अपनी उपस्थिति दर्ज करा चुके हैं।

लेकिन इस यात्रा की असली ताकत केवल व्यापार के आंकड़ों में नहीं है। उज्बेकिस्तान भारत की मध्य एशिया रणनीति का महत्वपूर्ण प्रवेश द्वार है। पाकिस्तान द्वारा भूमि मार्ग अवरुद्ध रखने के कारण भारत के सामने संपर्क का प्रश्न लंबे समय से चुनौती बना हुआ है। यही वजह है कि अंतरराष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारा यानि आईएनएसटीसी और चाबहार बंदरगाह भारत के लिए सामरिक महत्व रखते हैं। ईरान और पश्चिम एशिया की मौजूदा अस्थिरता ने इन परियोजनाओं की राह कठिन जरूर बनाई है, लेकिन भारत के लिए विकल्प तलाशना अब मजबूरी नहीं, रणनीतिक आवश्यकता है।

अफगानिस्तान भी मोदी-मिर्जियोयेव वार्ता का बड़ा मुद्दा हो सकता है। स्थिर अफगानिस्तान के बिना दक्षिण और मध्य एशिया की कनेक्टिविटी, व्यापार और सुरक्षा की कोई भी बड़ी योजना अधूरी है। ताशकंद और नई दिल्ली पुनर्निर्माण, आर्थिक विकास और क्षेत्रीय स्थिरता पर अधिक निकट समन्वय विकसित कर सकते हैं। इसके साथ ही रक्षा सहयोग, 'दुस्तलिक' सैन्य अभ्यास, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, विज्ञान-तकनीक और महत्वपूर्ण खनिजों में साझेदारी भारत की मध्य एशिया नीति को नई धार दे सकती है। इसके बाद बिश्केक में एससीओ का मंच मोदी को रूस और चीन समेत प्रमुख यूरेशियाई शक्तियों के साथ सीधे संवाद का अवसर देगा। भारत के लिए एससीओ केवल फोटो-ऑप नहीं है। आतंकवाद, ऊर्जा सुरक्षा, कनेक्टिविटी, आर्थिक सहयोग और क्षेत्रीय स्थिरता, ये सभी भारत के प्रत्यक्ष राष्ट्रीय हित से जुड़े प्रश्न हैं। नई दिल्ली लगातार यह भी रेखांकित करती रही है कि कनेक्टिविटी परियोजनाएं संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करें तथा आतंकवाद के खिलाफ दोहरे मानदंड स्वीकार नहीं किए जा सकते।

इस पूरे घटनाक्रम का सबसे दिलचस्प पहलू मोदी-पुतिन संबंध हैं। हम आपको बता दें कि विदेश मंत्री एस. जयशंकर की मॉस्को यात्रा के दौरान पुतिन ने मोदी से एससीओ में मिलने की इच्छा जताई और भारत के लिए उर्वरक आपूर्ति बढ़ाने की बात कही। दोनों देशों के बीच ऊर्जा, व्यापार, परमाणु सहयोग और कृषि जरूरतों से जुड़े रिश्ते लगातार महत्वपूर्ण बने हुए हैं।

बिना गोली चलाए कैसे लड़ी जा रही है नई जंग, भारत के लिए क्यों अहम है साइबर सुरक्षा

आधुनिक दुनिया में डेटा केवल सूचना नहीं, बल्कि रणनीतिक बढ़त का सबसे बड़ा माध्यम बन चुका है। इसी बदलती तस्वीर के बीच हाल ही में कथित तौर पर सामने आए एक असुरक्षित चीनी डेटाबेस ने नई चिंता पैदा कर दी है। साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों के अनुसार इंटरनेट पर मिले इस डेटाबेस में विभिन्न देशों के नागरिकों से जुड़ी सूचनाएं संग्रहीत थीं। रिपोर्ट में दावा किया गया कि इनमें कुछ भारतीय नागरिकों के रिकॉर्ड भी शामिल थे। हालांकि सार्वजनिक प्रमाण वास्तविक समय की निगरानी की पुष्टि नहीं करते, लेकिन इस घटना ने स्पष्ट कर दिया कि व्यक्तिगत और संस्थागत डेटा आज वैश्विक प्रतिस्पर्धा का महत्त्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है।

(राकेश गांधी)

यह पहला अवसर नहीं है जब चीन पर साइबर जासूसी के आरोप लगे हों। पिछले कुछ वर्षों में अमेरिका, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया, जापान और यूरोप के कई देशों ने भी चीन समर्थित साइबर गतिविधियों को लेकर चिंता जताई है। अगर कोई देश बिना एक गोली चलाए किसी दूसरे देश की आर्थिक गतिविधियों, संचार व्यवस्था, ऊर्जा तंत्र, सरकारी संस्थानों और नागरिकों से जुड़ी अहम सूचनाओं तक पहुंच बना ले, तो क्या वह युद्ध में रणनीतिक बढ़त हासिल नहीं कर लेगा? यही कारण है कि इक्कीसवीं सदी में युद्ध का स्वरूप बदल रहा है। अब लड़ाई सिर्फ सीमाओं पर नहीं, बल्कि साइबर स्पेस या कहें आभासी दुनिया में भी लड़ी जा रही है।

आधुनिक दुनिया में डेटा केवल सूचना नहीं, बल्कि रणनीतिक बढ़त का सबसे बड़ा माध्यम बन चुका है। इसी बदलती तस्वीर के बीच हाल ही में कथित तौर पर सामने आए एक असुरक्षित चीनी डेटाबेस ने नई चिंता पैदा कर दी है। साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों के अनुसार इंटरनेट पर मिले इस डेटाबेस में विभिन्न देशों के नागरिकों से जुड़ी सूचनाएं संग्रहीत थीं। रिपोर्ट में दावा किया गया कि इनमें कुछ भारतीय नागरिकों के रिकॉर्ड भी शामिल थे। हालांकि सार्वजनिक प्रमाण वास्तविक समय की निगरानी की पुष्टि नहीं करते, लेकिन इस घटना ने स्पष्ट कर दिया कि व्यक्तिगत और संस्थागत डेटा आज वैश्विक प्रतिस्पर्धा का महत्त्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है।

यह पहला अवसर नहीं है जब चीन पर साइबर जासूसी के आरोप लगे हों। पिछले कुछ वर्षों में अमेरिका, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया, जापान और यूरोप के कई देशों ने भी चीन समर्थित साइबर गतिविधियों को लेकर चिंता जताई है। दूसरी ओर चीन इन आरोपों को निराधार बताता रहा है और स्वयं को भी साइबर हमलों का शिकार बताता है। ऐसे में आरोप-प्रत्यारोप से आगे बढ़ कर यह समझना जरूरी है कि आखिर डिजिटल जासूसी का महत्त्व इतना क्यों बढ़ गया है। आज किसी भी देश की अर्थव्यवस्था, बैंकिंग, बिजली, रेलवे, संचार, स्वास्थ्य सेवाएं, रक्षा प्रतिष्ठान और सरकारी व्यवस्थाएं डिजिटल नेटवर्क पर ही निर्भर हैं।

ऐसे में यदि किसी देश की महत्त्वपूर्ण प्रणालियों के बारे में विस्तृत जानकारी किसी दूसरे देश के हाथ लग जाए, तो संकट की स्थिति में उसका रणनीतिक उपयोग हो सकता है। डिजिटल जासूसी का अर्थ केवल मोबाइल फोन या कंप्यूटर में सेंध लगाना नहीं होता। कई बार सार्वजनिक रूप से उपलब्ध सूचनाएं, यात्रा रिकॉर्ड, सोशल मीडिया गतिविधियां, व्यावसायिक जानकारियां और इंटरनेट पर मौजूद अन्य सूचनाओं को कृत्रिम बुद्धिमत्ता की मदद से जोड़ कर किसी व्यक्ति, संस्था या पूरे देश का विस्तृत डिजिटल ब्योरा तैयार किया जा सकता है। यही वजह है कि विशेषज्ञ अब डेटा को 'नया हथियार' भी कहने लगे हैं।

पिछले दो दशकों में चीन ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सुपर कंप्यूटिंग और डिजिटल तकनीक में बड़े पैमाने पर निवेश किया है। प्रशासन, शहरी प्रबंधन और सुरक्षा व्यवस्था में इन तकनीकों का व्यापक उपयोग किया जा रहा है। यही क्षमता उसे वैश्विक डिजिटल प्रतिस्पर्धा में मजबूत बनाती है, लेकिन साथ ही कई देशों में संदेह का कारण भी बनती है। अनेक पश्चिमी देशों का आरोप है कि चीन साइबर माध्यमों से रणनीतिक सूचनाएं जुटाने का प्रयास करता है। इन आरोपों की हर मामले में स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है, फिर भी यह निर्विवाद है कि आज दुनिया की सभी बड़ी शक्तियां साइबर क्षमताओं को राष्ट्रीय सुरक्षा का महत्त्वपूर्ण आधार मान रही हैं। अमेरिका, रूस, इजराइल, ब्रिटेन और अन्य देश भी साइबर सुरक्षा तथा साइबर खुफिया तंत्र पर लगातार निवेश कर रहे हैं। इसलिए यह प्रतिस्पर्धा केवल दो देशों तक सीमित नहीं, बल्कि वैश्विक शक्ति संतुलन का हिस्सा बन चुकी है।

यह प्रश्न स्वाभाविक है कि यदि भारत और चीन के बीच प्रत्यक्ष युद्ध जैसी स्थिति नहीं है, तो भारत को लेकर इतनी रुचि क्यों दिखाई देती है। इसका जवाब बदलती वैश्विक राजनीति में छिपा है। भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। डिजिटल भुगतान, अंतरिक्ष कार्यक्रम, रक्षा आधुनिकीकरण, सेमीकंडक्टर मिशन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और विनिर्माण के क्षेत्र में उसकी भूमिका लगातार बढ़ रही है। हिंद महासागर में उसकी सामरिक स्थिति भी अहम है।

ऐसे में भारत की आर्थिक, तकनीकी और सामरिक गतिविधियों पर वैश्विक शक्तियों की नजर रहना स्वाभाविक है। यह भी समझना होगा कि आधुनिक दौर की प्रतिस्पर्धा केवल सीमाओं पर नहीं, बल्कि तकनीक, नवाचार और सूचना पर आधारित है। इसलिए किसी भी देश की डिजिटल क्षमता को समझना उसकी दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा बन चुका है। भारत के लिए चुनौती यह नहीं है कि कौन उसे देख रहा है, बल्कि यह है कि वह अपनी डिजिटल सीमाओं की सुरक्षा कितने प्रभावी ढंग से कर पा रहा है।

यदि डिजिटल दुनिया भविष्य का युद्धक्षेत्र है, तो क्या भारत इसके लिए तैयार है? आज भारत सबसे बड़ी डिजिटल अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। आधार, डिजिलॉकर, ऑनलाइन बैंकिंग, डिजिटल स्वास्थ्य मिशन और ई-गवर्नेंस आदि नागरिकों के जीवन का हिस्सा बन चुकी हैं, लेकिन जिस तेजी से डिजिटल सेवाओं का विस्तार हुआ है, उतनी ही तेजी से साइबर सुरक्षा की चुनौतियां भी बढ़ी हैं।

राष्ट्रीय सुरक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि भविष्य में किसी देश को अस्थिर करने के लिए हमेशा पारंपरिक युद्ध की आवश्यकता नहीं होगी। यदि बिजली ग्रिड, बैंकिंग नेटवर्क, संचार व्यवस्था, रेलवे, हवाई यातायात या सरकारी सेवाओं पर बड़े पैमाने पर साइबर हमला हो जाए, तो उसका असर केवल तकनीकी नहीं, बल्कि आर्थिक, सामाजिक और रणनीतिक भी हो सकता है। इसलिए साइबर सुरक्षा अब सूचना प्रौद्योगिकी का विषय भर नहीं रह गई है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा की पहली पंक्ति का अहम हिस्सा बन चुकी है।

भारत की सबसे बड़ी शक्ति उसकी तकनीकी क्षमता और मानव संसाधन हैं। दुनिया की अग्रणी प्रौद्योगिकी कंपनियों में हजारों भारतीय इंजीनियर, साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के शोधकर्ता अहम जिम्मेदारियां निभा रहे हैं। आईआईटी, भारतीय विज्ञान संस्थान, सी-डैक, इसरो, डीआरडीओ और देश के तेजी से विकसित होते नवउद्यम भी इस क्षमता को मजबूत बना रहे हैं। भारत के सामने चुनौती प्रतिभा की कमी नहीं, बल्कि उस प्रतिभा को राष्ट्रीय सुरक्षा की साझा रणनीति से जोड़ने की है। यदि सरकारी संस्थान, निजी उद्योग, शोध संस्थाएं और वैश्विक स्तर पर कार्यरत भारतीय विशेषज्ञ एक समन्वित रणनीति के तहत काम करें, तो भारत अपनी डिजिटल सुरक्षा को नई ऊंचाई दे सकता है।

भारत और चीन के संबंध आने वाले वर्षों में प्रतिस्पर्धा और सहयोग के साथ आगे बढ़ेंगे। सीमा पर शांति बनाए रखना जितना आवश्यक है, उतना ही जरूरी आभासी दुनिया में सतर्क रहना है। दुनिया की बड़ी शक्तियां कृत्रिम बुद्धिमत्ता, क्वांटम कंप्यूटिंग, साइबर सुरक्षा और डेटा संरक्षण पर अरबों डॉलर का निवेश कर रही हैं। भारत को इस प्रतिस्पर्धा में तकनीक विकसित करने वाले राष्ट्र के रूप में अपनी पहचान मजबूत करनी होगी। इक्कीसवीं सदी में किसी राष्ट्र की संप्रभुता केवल उसकी भूमि, समुद्र और आकाश तक सीमित नहीं रह गई है।

उसका डेटा, डिजिटल नेटवर्क और उसकी तकनीकी क्षमता भी उसकी संप्रभुता का अभिन्न हिस्सा हैं। इसलिए भविष्य की सबसे बड़ी चुनौती केवल सीमाओं की रक्षा नहीं, बल्कि डिजिटल सीमाओं की सुरक्षा भी होगी। आने वाले समय में किसी देश की ताकत केवल उसकी सेना से नहीं आंकी जाएगी। उसके मजबूत साइबर नेटवर्क, तकनीकी आत्मनिर्भरता और सुरक्षित डेटा ही उसकी राष्ट्रीय शक्ति के नए पैमाने होंगे।

नक्सली पीड़ितों का हल्ला बोल, 20 साल से घर में रहने के बाद भी पट्टा नहीं, नगरपालिका घेरी

बीजापुर। नगर पालिका परिषद बीजापुर के विभिन्न वार्डों के निवासियों ने मंगलवार को स्थाई राजस्व पट्टा दिलाने की मांग को लेकर नगरपालिका कार्यालय का घेराव कर मुख्यमंत्री के नाम अनुविभागीय अधिकारी, बीजापुर को ज्ञापन सौंपकर कहा कि वे दो दशक से बीजापुर शहर में रह रहे हैं लेकिन सरकार नक्सली पीड़ित परिवारों को अब भी घर-बाड़ी का पट्टा नहीं दे रही है। ऊल्टे समय-समय पर घर खाली करने और घर तोड़ने के नोटिस दिए जा रहे हैं। जिससे नक्सली पीड़ित परिवार मानसिक और आर्थिक रूप परेशान है। मुख्यमंत्री के नाम सौंपे गए ज्ञापन में कहा गया है कि वर्ष 2005 में नक्सल हिंसा से परेशान और भयभीत होकर सलवा जुडूम के दौरान ये परिवार अपने गांव छोड़कर बीजापुर आए थे। तब से वे वार्ड क्रमांक 1, 7, 8, 9, 10, 11 एवं 12 में घर बनाकर निवासरत हैं और यहीं मजदूरी व छोटे काम-धंधे से जीवन-यापन कर रहे हैं। बीस वर्ष बीत चुके हैं, बच्चे यहीं बड़े हुए हैं, फिर भी राजस्व विभाग या नगरपालिका की ओर से स्थाई पट्टा नहीं दिया गया। वार्डवासियों का कहना है कि नगर पालिका परिषद उनके घरों को अवैध बताकर तोड़ने की कार्रवाई करती है और बार-बार बेदखली के नोटिस जारी करती है। इससे वे दहशत में है। नक्सली पीड़ित परिवारों ने ज्ञापन में लिखा वर्षों से बने हुए घर को छोड़कर वे जाएंगे कहाँ? इसके साथ ही ज्ञापन में नगर पालिका परिषद बीजापुर के वार्ड क्रमांक 1, 7, 8, 9, 10, 11 एवं 12 में वर्षों से घर बनाकर रह रहे परिवारों को राजस्व पट्टा दिए जाने और पीड़ितों को पट्टा दिए जाने तक घरों की तोड़-फोड़ और बेदखली की कार्रवाई पूरी तरह रोके जाने की मांग की है। प्रभावित परिवारों का कहना है कि वे अवैध कब्जा करने नहीं आए, बल्कि नक्सल आतंक के कारण जान बचाकर बीजापुर आए। वहीं बीजापुर के विधायक विक्रम मंडावी ने कहा कि सलवा जुडूम अभियान के समय से, वर्ष 2005 से ये नक्सली पीड़ित परिवार बीजापुर में स्थाई रूप से बस चुके हैं। ये गरीब और मजदूर परिवार के लोग हैं और वे सभी अलग-अलग वार्डों में मकान बनाकर अपने परिवार के साथ जीवन यापन कर रहे है। बीस वर्ष से भी अधिक समय बीत जाने के बाद भी सरकार ने इन्हें पट्टा नहीं दिया, यह अन्याय है। विधायक ने सरकार से मांग की कि पीड़ित परिवारों को तत्काल राहत देते हुए स्थाई राजस्व पट्टा प्रदाय किया जाए और तब तक किसी भी घर को नहीं तोड़ा जाए। नक्सल पीड़ित परिवारों कहा कि मांगें पूरी नहीं हुईं तो आने वाले दिनों में उग्र प्रदर्शन और किया जाएगा। इस दौरान जिला कॉंग्रेस कमेटी अध्यक्ष लालू राठौर, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष शंकर कुड़ियम, जिला पंचायत सदस्या नीना रावतिया, पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष कमलेश कारम, सुखदेव नाग, बेनहुर रावतिया, वेणुगोपाल राव, इम्तियाज खान, प्रवीण डोंगरे, कलाम खान, शेख रजिया, संजना चौहान, सतेंद्र पंथ, संतोष गुप्ता, श्यामू गुप्ता, बाबूलाल राठी, जगदीश चापड़ी, सुशीला हपका, गंगा मंडावी, जीवन सिरसान, गीता कमल, पार्षद बबिता झाड़ी, कविता यादव, संगीता नाग, सरस्वती मण्डल, टी हेमंत, मगराज खत्री, गुड्डू कोरसा, बलराम कोरसा।

दिव्यांगजनों को कृत्रिम अंग प्रदाय करने हेतु शिविर की करें तैयारी : आकाश छिकारा

जगदलपुर। कलेक्टर आकाश छिकारा की अध्यक्षता में कलेक्टोरेट के प्रेरणा कक्ष में समय-सीमा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तन्मय खन्ना तथा नगर निगम आयुक्त प्रवीण वर्मा सहित जिला स्तरीय अधिकारी कलेक्टोरेट सभाकक्ष में उपस्थित रहे, जबकि सभी तहसीलदार, जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी और खंड स्तरीय अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े। बैठक के दौरान कलेक्टर ने जिले में संचालित विभिन्न जनहितैषी योजनाओं, निर्माण कार्यों और लंबित जन शिकायतों के त्वरित निराकरण की गहन समीक्षा करते हुए अधिकारियों को समय-सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण कार्य निष्पादन के निर्देश दिए। बैठक में दिव्यांगजन सशक्तिकरण की दिशा में चल रहे सर्वेक्षण और प्रमाण पत्र निर्माण कार्यों की प्रगति का जायजा लिया गया। कलेक्टर ने जिले के दिव्यांगजनों को कृत्रिम अंग और सहायक उपकरण प्रदाय करने हेतु आगामी 5 से 7 अक्टूबर तक प्रस्तावित वृहद शिविर की तैयारियों की समीक्षा करते हुए सभी जनपद सीईओ को ग्राम स्तर पर शत-प्रतिशत दिव्यांगजनों का चिन्हांकन करने के निर्देश दिए, ताकि सभी पात्र हितग्राहियों को आवश्यक उपकरण और शासकीय योजनाओं का लाभ मिल सके। इसके साथ ही पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना, आयुष्मान कार्ड, किसान क्रेडिट कार्ड, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना तथा महतारी वंदन योजना के क्रियान्वयन की समीक्षा करते हुए लंबित प्रकरणों को अभियान चलाकर शीघ्र पूरा करने को कहा गया। अधोसंरचना विकास के अंतर्गत आदर्श ग्राम नेतानार में शैक्षणिक, सांस्कृतिक और मूलभूत सुविधाओं के विकास कार्यों की स्थिति की समीक्षा की गई। वहीं स्वास्थ्य क्षेत्र में मेडिकल कॉलेज हॉस्पीटल डिमरापाल में क्रिटिकल केयर यूनिट के निर्माण, ट्रांजिट हॉस्टल और स्वास्थ्य केंद्रों से जुड़े कार्यों को तय समय-सीमा में पूर्ण करने पर जोर दिया गया।

थाना केशकाल जिला कोंडागांव पुलिस द्वारा किया गया कार्यवाही

कोण्डागांव। थाना केशकाल को मोबाईल फोन से सूचना मिला कि उपरपारा बिसेन बाडी केशकाल में अकरम हुसैन के घर के सामने सीसी रोड के पास एक व्यक्ति सार्वजनिक स्थान पर धारदार चाकू बण्डा को लेकर अकरम हुसैन को माँ बहन की अश्लील गाली गलौच कर जान से मारने की धमकी देते हुये चाकू बण्डा को लहरा रहा है कि सूचना पर घटना स्थल उपरपारा बिसेन बाडी केशकाल पहुंचकर देखा तो वास्तव में एक व्यक्ति सार्वजनिक स्थान चाकू बण्डा को लहरा. लहरा कर अकरम हुसैन को माँ बहन की अश्लील गाली गलौच कर जान से मारने की धमकी देते हुये चाकू बण्डा को लहरा कर डरा था। जिसे हमराह स्टाफ के साथ घेराबंदी कर पकडे नाम पता पूछने पर अपना नाम इमामुद्दीन खान पिता फखरुद्दीन खान उम्र 29 वर्ष निवासी धारामा वार्ड न0 08 थाना चारामा जिला कांकेर छ0ग0 का रहने वाला बताया आरोपी के कब्जे से कटार गुसी स्टील का कवर लगा चाकू जिसकी लंबाई 12 इंच, फल की चौड़ाई 05 सेमी. मुठ की गोलाई 02.02 इंच, एक बिछवा नुमा चाकू जिसकी लम्बाई 06.1 इंच, फल की चौडाई 0.7 सेमी, गुठ की गोलाई 02.2 इंच, एक लोहे का बण्डा लकडी का बेठ लगा जिसकी लम्बाई 17 इंच फल की चौडाई 02 इंच बेठ की गोलाई 04.4 इंच, एक छुरी बेठ लगी जिसकी लम्बाई 12 इंच फल की चौड़ाई 02 इंच मुठ की गोलाई 04.5 इंच को गवाहों के समक्ष जप्त कर पुलिस कब्जा में लिया गया। आरोपी का कृत्य धारा 25 आर्मस एक्ट 296, 351 (3) बीएनएस का पाये जाने से आरोपी के खिलाफ अपराध धारा सदर कायम कर न्यायिक रिमांड में जेल भेजा गया।

उक्त सम्पूर्ण कार्यवाही में निरीक्षक रितेश निश्रा, सहायक उपनिरीक्षक, सुरेश मरकाम, प्रशिक्षु उप निरीक्षक राखी यादव आरक्षक 226 रामू नेताम डीएसएफ आरक्षक उमेश मानिकपुरी, महिला आरक्षक उर्मिला गरकाम की अहम भूमिका रही।

रेड रिबन मैराथन में शासकीय गुण्डाधूर स्नातकोत्तर महाविद्यालय के विद्यार्थियों का शानदार प्रदर्शन

कोण्डागांव। रेड रिबन क्लब के तत्वावधान में शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय, जगदलपुर द्वारा धरमपुरा खेल परिसर, जगदलपुर में मैराथन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय से संबद्ध विभिन्न महाविद्यालयों के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। इस प्रतियोगिता में शासकीय गुण्डाधूर स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कोण्डागांव के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए महाविद्यालय का नाम गौरवान्वित किया। प्रतियोगिता में महाविद्यालय के प्रतिभावान छात्र प्रदीप मरकाम ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त कर विजेता का गौरव हासिल किया। वहीं महाविद्यालय के छात्र दीपेश मरकाम ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए दसवां स्थान प्राप्त किया। दोनों खिलाड़ियों ने पूरे जोश, अनुशासन एवं खेल भावना के साथ प्रतियोगिता में भाग लेते हुए अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। विद्यार्थियों की इस सफलता के पीछे महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. सरला आत्राम, रेड रिबन क्लब प्रभारी समलेश पोटाई एवं क्रीड़ा अधिकारी एच. आर. यदु का मार्गदर्शन एवं प्रोत्साहन महत्वपूर्ण रहा। उनके मार्गदर्शन में विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय स्तर पर आयोजित मैराथन प्रतियोगिता में सहभागिता के लिए तैयार किया गया तथा प्रतियोगिता स्थल तक ले जाकर आवश्यक सहयोग एवं मार्गदर्शन प्रदान किया गया। मैराथन जैसी प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों में शारीरिक क्षमता, अनुशासन, आत्मविश्वास, धैर्य एवं प्रतिस्पर्धात्मक भावना के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। महाविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा विश्वविद्यालय स्तर की प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करना महाविद्यालय की खेल गतिविधियों के प्रति प्रतिबद्धता एवं विद्यार्थियों की प्रतिभा को प्रोत्साहित करने के प्रयासों को भी दर्शाता है। प्रदीप मरकाम द्वारा प्रथम स्थान तथा दीपेश मरकाम द्वारा दसवां स्थान प्राप्त किए जाने पर महाविद्यालय परिवार में हर्ष एवं उत्साह का माहौल है। इस उपलब्धि पर प्राचार्य डॉ. सरला आत्राम सहित महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने दोनों खिलाड़ियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित कीं तथा उनके उज्ज्वल खेल एवं शैक्षणिक भविष्य की कामना की।

नीट यूजी में चयन के बाद कोंडागांव की शगुन को एमबीबीएस रायपुर में मिला प्रवेश

कोंडागांव। कोंडागांव की छात्रा शगुन उइके नहरेल ने नीट यूजी परीक्षा में सफलता पाई है। उन्हें एमबीबीएस पाठ्यक्रम में प्रवेश मिला है। शगुन का चयन प्रदेश के सबसे उत्कृष्ट मेडिकल कॉलेज पंडित जवाहरलाल नेहरू मेमोरियल मेडिकल कॉलेज रायपुर में हुआ है। इस उपलब्धि से परिवार में खुशी का माहौल है। शगुन ने मेहनत, लगन, लगातार प्रयास से राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षा में सफलता हासिल की। उनके पिता नीरज उइके पत्रकार हैं मां कोमल उइके गृहिणी हैं माता-पिता ने इसे गर्व का पल बताया व बेटी के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उनका लक्ष्य डॉक्टर बनकर समाज की सेवा करना है जरूरतमंद लोगों की मदद करना है। शगुन की इस उपलब्धि पर प्रेस क्लब अध्यक्ष कोंडागांव सहित पत्रकार साथियो व नगर जनों ने भी हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं व्यक्त की हैं। यह सफलता शगुन की मेहनत, लगन और समर्पण का परिणाम है। उनके उज्ज्वल भविष्य और सफल चिकित्सकीय जीवन के लिए शुभकामनाएं व्यक्त की गई हैं।

कलेक्टर जनदर्शन कलेक्टर आकाश छिकारा ने नागरिकों की सुनी समस्याएं, त्वरित निराकरण के दिए निर्देश

जगदलपुर। जिला प्रशासन को आम जनता के प्रति अधिक संवेदनशील और जवाबदेह बनाने की पहल के तहत कलेक्टोरेट स्थित प्रेरणा कक्ष में साप्ताहिक कलेक्टर जनदर्शन का आयोजन किया गया। इस जनदर्शन में कलेक्टर आकाश छिकारा ने जिले के दूरदराज के ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों से पहुंचे नागरिकों से सीधा और संवाद स्थापित किया। यहां पहुंचे प्रत्येक नागरिक की शिकायतों और मांगों को कलेक्टर ने पूरी गंभीरता से सुना और उनसे संबंधित दस्तावेजों का सूक्ष्मता से अवलोकन किया। इस दौरान जनदर्शन में विभिन्न जनसमस्याओं और मांगों से जुड़े कुल 22 आवेदन प्राप्त हुए। प्राप्त सभी 22 आवेदनों पर संज्ञान लेते हुए कलेक्टर छिकारा ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनदर्शन में प्रस्तुत प्रत्येक प्रकरण को प्राथमिकता पर रखा जाए। उन्होंने नागरिकों के आवेदन का समय-सीमा तय कर उनका गुणवत्तापूर्ण, पारदर्शी और संतोषजनक समाधान धरातल पर सुनिश्चित करने कहा। किसी भी स्तर पर अनावश्यक देरी अथवा लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी। प्रशासन की इस सीधी पहल का मुख्य ध्येय नागरिकों और अधिकारियों के मध्य की दूरी को समाप्त करना और जनता तक सीधी पहुंच सुनिश्चित करना है। इसी क्रम में जिला प्रशासन द्वारा यह व्यवस्था नियमित रूप से लागू की गई है, जिसके तहत प्रत्येक मंगलवार को दोपहर ठीक 1 बजे से प्रेरणा कक्ष में स्वयं कलेक्टर उपस्थित रहकर आमजन की समस्याएं सुनेंगे।

किरंदुल में नम आँखों से दी गई नेपाल बाढ़ त्रासदी के मृतकों को श्रद्धांजलि

किरंदुल। नेपाल में आई भीषण बाढ़ त्रासदी में जान गंवाने वालों की आत्मा की शांति और लापता लोगों की सकुशल घर वापसी की कामना को लेकर नेपाली समाज सेवा समिति, किरंदुल द्वारा सोमवार संध्या भावपूर्ण विनम्र श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। एनएमडीसी किरंदुल द्वारा समिति को आवंटित भवन भूमि परिसर में आयोजित कार्यक्रम में समाज के लोगों ने दीप प्रज्ज्वलित कर 2 मिनट का मौन रखकर मृतात्माओं को नमन किया। हाथों में दीये लिए लोगों की आँखें नम थीं। सभी ने एक स्वर में ईश्वर से प्रार्थना की कि बाढ़ में लापता हुए लोग जल्द अपने परिवारों से सकुशल मिलें। कार्यक्रम में समिति के पदाधिकारियों ने कहा कि नेपाल और भारत का रिश्ता केवल सीमा का नहीं, दिल का है। बस्तर के इस छोटे से शहर किरंदुल में भी बड़ी संख्या में नेपाली समाज के लोग रहते हैं। त्रासदी की खबर से पूरा समाज व्यथित है।

सीआईएसएफ और ड्रोन फेडरेशन ऑफ इंडिया के बीच ऐतिहासिक समझौता, बहरोड़ आरटीसी बनेगा ड्रोन तकनीक का सेंटर ऑफ एक्सीलेंस

किरंदुल। देश के महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को बढ़ते हवाई खतरों से अभेद्य बनाने की दिशा में केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल ने एक बड़ा कदम उठाया है। सीआईएसएफ और ड्रोन फेडरेशन ऑफ इंडिया के बीच सीआईएसएफ मुख्यालय में एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौते पर सीआईएसएफ की ओर से एमपीआरटीसी बहरोड़ के डीआईजी व प्रिंसिपल डॉ. सी.डी. नायक और डीएफआई के अध्यक्ष स्मित शाह ने हस्ताक्षर किए। यह ऐतिहासिक क्षण सीआईएसएफ के महानिदेशक प्रवीर रंजन की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ, जिसमें बल के एडीजी उत्तर सुधीर कुमार और एडीजी मुख्यालय विजय प्रकाश सहित कई अधिकारी मौजूद रहे। डीएफआई की ओर से निदेशक शिरीन जोशी, एसोसिएट डायरेक्टर शिवांगी प्रकाश और चीफ ऑफ स्टाफ समा सहगल ने कार्यक्रम में हिस्सा लिया। वर्तमान में सीआईएसएफ देश के 370 से अधिक अति-संवेदनशील प्रतिष्ठानों, जिनमें विमानन, परमाणु संयंत्र, अंतरिक्ष केंद्र और तेल रिफाइनरियां शामिल हैं, की सुरक्षा की जिम्मेदारी संभाल रहा है और हवाई खतरों से निपटने के लिए नोडल एजेंसी के रूप में नामित है। ड्रोन तकनीक के तेजी से विस्तार के साथ संदिग्ध ड्रोनों से उत्पन्न खतरा भी बढ़ा है, जिसके मद्देनजर उनकी समय रहते पहचान और उन्हें निष्क्रिय करना अत्यंत आवश्यक हो गया है। सीआईएसएफ ने इस चुनौती को पहले ही समझते हुए 3,000 से अधिक जवानों को ड्रोन और एंटी-ड्रोन प्रोटोकॉल का विशेष प्रशिक्षण दिया है और लगभग 80 यूनिट्स में निगरानी और खतरे की पहचान के लिए ड्रोन का सक्रिय उपयोग शुरू कर दिया है। इसके लिए बल ने डेमेन एक्सपर्ट्स की एक विशेष टीम भी तैयार की है। इस समझौते का सबसे अहम उद्देश्य सीआईएसएफ के रिक्रूट ट्रेनिंग सेंटर बहरोड़ को गृह मंत्रालय के दिशा-निर्देशों के अनुरूप ड्रोन और काउंटर-ड्रोन सिस्टम के लिए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के रूप में विकसित करना है। इसके तहत डीएफआई भारतीय ड्रोन स्टार्टअप्स और तकनीकी कंपनियों के साथ मिलकर सीआईएसएफ की क्षमता निर्माण, व्यावहारिक अनुसंधान और ऑपरेशनल तैयारियों को और मजबूत करेगा। सहयोग के तहत सीआईएसएफ के प्रतिष्ठानों पर काउंटर-ड्रोन सिस्टम की तैनाती के लिए मानक संचालन प्रक्रियाएं और पायलट प्रोजेक्ट तैयार किए जाएंगे।

प्रथम प्रयास में नीट-यूजी 2026 में शानदार सफलता

मनस्वी नेताम ने हासिल की एमबीबीएस की सीट, 90.4 प्रतिशत अंकों से 12वीं उत्तीर्ण कर बढ़ाया परिवार और फरसगांव का मान

कोण्डागांव। नगर के नवीन कॉलोनी निवासी मनस्वी नेताम (झील) ने अपनी कड़ी मेहनत, लगन और दृढ़ संकल्प के दम पर एक बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए अपने परिवार के साथ-साथ फरसगांव नगर का नाम भी रोशन किया है। मनस्वी ने इस वर्ष दिल्ली पब्लिक स्कूल, जुनवानी (भिलाई), दुर्ग से कक्षा 12वीं की परीक्षा 90.4 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण की है। इसके साथ ही उन्होंने देश की प्रतिष्ठित मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट-यूजी 2026 में अपने पहले ही प्रयास में शानदार सफलता हासिल करते हुए शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय, रायगढ़ (छत्तीसगढ़) में एमबीबीएस में प्रवेश सुरक्षित कर लिया है। मनस्वी की इस सफलता को उनकी निरंतर मेहनत और लक्ष्य के प्रति समर्पण का परिणाम माना जा रहा है। मेडिकल क्षेत्र में प्रवेश के लिए आयोजित परीक्षा में हर वर्ष बड़ी संख्या में विद्यार्थी शामिल होते हैं और इसके लिए विद्यार्थियों को लंबे समय तक नियमित एवं अनुशासित तैयारी करनी पड़ती है। ऐसे में मनस्वी ने कक्षा 12वीं की पढ़ाई के साथ-साथ नीट की तैयारी करते हुए प्रथम प्रयास में ही मेडिकल कॉलेज में प्रवेश हासिल कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया है। मनस्वी नेताम की सफलता की खबर सामने आने के बाद उनके परिवार में खुशी का माहौल है। परिजनों, रिश्तेदारों और शुभचिंतकों द्वारा उन्हें लगातार बधाई दी जा रही है। मनस्वी की इस उपलब्धि से नवीन कॉलोनी सहित पूरे फरसगांव नगर में भी हर्ष का माहौल है। स्थानीय लोगों ने उनकी सफलता को नगर के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। मनस्वी के पिता अनिल कुमार नेताम शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था भिलाई में प्रशिक्षण अधिकारी के पद पर कार्यरत हैं। वहीं उनकी माता कौशल्या नेताम शासकीय प्राथमिक शाला पूर्वी बोरगांव में प्रधानाध्यापिका के रूप में अपनी सेवाएं दे रही हैं। शिक्षा के क्षेत्र से जुड़े माता-पिता के मार्गदर्शन और प्रोत्साहन के साथ मनस्वी ने अपनी पढ़ाई को निरंतर आगे बढ़ाया और अब चिकित्सा के क्षेत्र में करियर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया है।

डॉक्टर बनने का सपना अब होगा साकार

मनस्वी की सफलता से उनके डॉक्टर बनने के सपने को नई दिशा मिली है। रायगढ़ स्थित शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय में एमबीबीएस की पढ़ाई शुरू करने के साथ ही अब वह चिकित्सा के क्षेत्र में आगे बढ़ने की तैयारी करेंगी। उनकी इस उपलब्धि ने नगर के अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणा का कार्य किया है। मनस्वी की सफलता यह संदेश देती है कि सही लक्ष्य, नियमित मेहनत और आत्मविश्वास के साथ कठिन से कठिन परीक्षा में भी सफलता हासिल की जा सकती है।

जनप्रतिनिधियों और शिक्षकों ने दी बधाई

मनस्वी नेताम की इस शानदार उपलब्धि पर नगर पंचायत फरसगांव के जनप्रतिनिधियों, शिक्षकों, मित्रों, स्कूल परिवार, रिश्तेदारों एवं नगर वासियों ने उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। सभी ने मनस्वी के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उम्मीद जताई है कि वह आगे भी इसी तरह मेहनत और लगन के साथ सफलता की नई ऊंचाइयां हासिल करेंगी तथा भविष्य में एक सफल चिकित्सक बनकर समाज की सेवा करेंगी। मनस्वी की यह उपलब्धि न केवल उनके परिवार के लिए गर्व का विषय है, बल्कि फरसगांव नगर के लिए भी गौरव की बात है। प्रथम प्रयास में नीट-यूजी 2026 में सफलता हासिल कर एमबीबीएस की सीट प्राप्त करने वाली मनस्वी ने अपनी मेहनत से यह साबित कर दिया है कि दृढ़ इच्छाशक्ति और निरंतर प्रयास से सपनों को हकीकत में बदला जा सकता है।

जिले के 22 सेवानिवृत्त शासकीय सेवकों को दी गई भावभीनी विदाई, कलेक्टर छिकारा ने सौंपे पेंशन भुगतान आदेश

जगदलपुर। कलेक्ट्रेट के प्रेरणा कक्ष में विभिन्न विभागों में अपनी दीर्घकालिक सेवाएं पूरी कर चुके 22 शासकीय सेवकों के सम्मान में एक गरिमामय समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर आकाश छिकारा ने सेवानिवृत्त हुए अधिकारियों एवं कर्मचारियों को शॉल व श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया तथा उन्हें पेंशन भुगतान आदेश व सेवानिवृत्ति लाभ संबंधी आवश्यक दस्तावेज सौंपे।

कलेक्टर छिकारा ने विदाई समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि वर्षों तक निष्ठापूर्वक शासकीय सेवा का निर्वहन कर सम्मानपूर्वक सेवानिवृत्त होना जीवन की एक अत्यंत महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने जिले के चहुंमुखी विकास में इन कर्मियों के अमूल्य योगदान की सराहना करते हुए उन्हें जीवन की दूसरी पारी के लिए शुभकामनाएं दीं। कलेक्टर ने कहा कि शासकीय व्यस्तताओं के चलते जो समय परिवार को नहीं मिल पाता था, अब वह अवसर है जब सभी को अपने परिजनों के साथ सुखद समय बिताना चाहिए और अपने अधूरे व्यक्तिगत कार्यों को पूरा करना चाहिए। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि कर्मचारी केवल शासकीय सेवा से सेवानिवृत्त हुए हैं, थके नहीं हैं, इसलिए समाज और प्रशासन को आज भी उनके लंबे प्रशासनिक व कार्य अनुभवों की आवश्यकता है। उन्होंने सभी से कनिष्ठ सहयोगियों का मार्गदर्शन करते रहने और एक सजग नागरिक के रूप में समाज निर्माण में निरंतर योगदान देने का आह्वान किया। कार्यक्रम में कोषालय अधिकारी अनिल कुमार पाठक, कोषालय शाखा के कर्मचारी तथा सेवानिवृत्त कर्मियों के परिजन उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

कार में ब्लैक फिल्म और लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाने पर पुलिस की सख्त कार्रवाई

बैकुण्ठपुर। जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देशों के तहत सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों के कड़ाई से पालन हेतु चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत थाना कोतवाली बैकुंठपुर द्वारा लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाने वाले चालकों के विरुद्ध त्वरित एवं सख्त कार्रवाई की गई है। कार्रवाई के दौरान कार (वर्ना, क्रमांक छ्त्त 12 ह्ु 1706) के चालक अभिषेक कुमार (उम्र 23 वर्ष, निवासी प्रेमाबाग बैकुंठपुर) द्वारा अपने वाहन के शीशों में प्रतिबंधित ब्लैक फिल्म लगाकर एवं लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाते पाए जाने पर चालानी कार्रवाई की गई। पुलिस द्वारा मोटर व्हीकल एक्ट (रुङ्क्ष्ह्) की धारा 100, 50/177 एवं 184 के तहत कार्रवाई करते हुए कुल 4,300 रुपये (चार हजार तीन सौ रुपये) का समन शुल्क (फाइन) वसूल किया गया है। पुलिस की अपील: थाना प्रभारी बैकुंठपुर ने आम नागरिकों एवं वाहन चालकों से अपील की है कि वे यातायात नियमों का अनिवार्य रूप से पालन करें। वाहनों के शीशों पर प्रतिबंधित ब्लैक फिल्म न लगाएं तथा तेज रफ्तार व लापरवाही से वाहन न चलाएं। नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ आगे भी इसी प्रकार की सख्त वैधानिक कार्रवाई जारी रहेगी।

9 साल पुराने मारपीट मामले में स्थाई वारंट तामील, कोतवाली पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

अंबिकापुर। जिले में वर्षों से लंबित स्थाई वारंट एवं गिरफ्तारी वारंटों की तामिली को लेकर सरगुजा पुलिस द्वारा लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में थाना कोतवाली पुलिस ने करीब 9 वर्ष पुराने मारपीट के मामले में जारी स्थाई वारंट की तामिली करते हुए फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया। डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा राजेश अग्रवाल (भा.पु.से.) ने जिले के सभी थाना एवं चौकी प्रभारियों को अपने-अपने थाना क्षेत्रों में लंबित स्थाई वारंट एवं गिरफ्तारी वारंटों की तामिली सुनिश्चित करने तथा लंबे समय से फरार वारंटियों को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। इसी अभियान के तहत थाना कोतवाली पुलिस टीम ने आपराधिक प्रकरण क्रमांक 1792/17, जिसमें धारा 294, 506, 323 एवं 324 भादवि के तहत मामला दर्ज था, में फरार चल रहे आरोपी विकास यादव, पिता सीताराम यादव, उम्र 24 वर्ष, निवासी गुदरी बाजार, थाना कोतवाली अंबिकापुर की तलाश की। प्रकरण में आरोपी के न्यायालय में उपस्थित नहीं होने पर माननीय न्यायालय द्वारा उसके विरुद्ध स्थाई वारंट जारी किया गया था। थाना कोतवाली पुलिस टीम ने लगातार प्रयास करते हुए स्थाई वारंटी विकास यादव को गिरफ्तार किया और जारी वारंट के अनुसार उसे माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया। स्थाई वारंट की तामिली में थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक शशिकांत सिन्हा, सहायक उप निरीक्षक देवनारायण यादव, आरक्षक अभिषेक सिंह एवं संजीव पाण्डेय की सक्रिय भूमिका रही। सरगुजा पुलिस द्वारा लंबित स्थाई एवं गिरफ्तारी वारंटों की तामिली के लिए अभियान लगातार जारी है, ताकि वर्षों से फरार वारंटियों को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जा सके।

तंबाकू नियंत्रण अभियान में 20 पान ठेलों पर कार्रवाई, 1,830 रुपये का जुर्माना

रायगढ़। जिले में नशीले एवं तंबाकू उत्पादों के सेवन पर प्रभावी नियंत्रण तथा तंबाकू नियंत्रण कानून के प्रावधानों का पालन सुनिश्चित कराने के लिए जिला प्रशासन के निर्देशानुसार 31 अगस्त को संयुक्त जांच एवं जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान रेलवे स्टेशन, गौशाला रोड और ढिमरापुर क्षेत्र के आसपास संचालित पान ठेलों की जांच करते हुए कोटपा अधिनियम, 2003 के तहत कार्रवाई की गई। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.अनिल कुमार जगत ने बताया कि अभियान के दौरान 20 पान ठेलों पर कोटपा अधिनियम, 2003 के तहत चालानी कार्रवाई करते हुए कुल 1,830 रुपये का जुर्माना लगाया गया। साथ ही संबंधित दुकानदारों को तंबाकू नियंत्रण कानून के प्रावधानों की जानकारी देते हुए उनका पालन सुनिश्चित करने के लिए समझाइश भी दी गई। अभियान दल ने दुकानदारों को तंबाकू उत्पादों की बिक्री एवं सेवन से संबंधित कानूनी प्रावधानों का पालन करने तथा नियमों का उल्लंघन नहीं करने के लिए जागरूक किया। अधिकारियों ने बताया कि सार्वजनिक स्थलों पर तंबाकू सेवन और अधिनियम के अन्य प्रावधानों के उल्लंघन पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। यह अभियान जिला कार्यक्रम प्रबंधक सुरंजना पैकरा एवं राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ.जाविद मारिकर द्वारा औषधि विभाग एवं पुलिस विभाग के समन्वय से अभियान संचालित किया गया। सिटी कोतवाली थाना प्रभारी अमित तिवारी के सहयोग से संबंधित क्षेत्रों में पान ठेलों की जांच की गई। संयुक्त कार्रवाई में सिटी कोतवाली क्षेत्र की पुलिस आरक्षक सुहेमलता लकड़ा, ड्रग निरीक्षक सुसविता रानी साय, श्रीमती संतोषी राज एवं श्रीमती सीमा बरेठ सहित संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सहभागिता रही।

दूरदराज के स्कूलों में नहीं थमेगी पढ़ाई, स्थानीय युवा पढ़ाएंगे गणित-विज्ञान

कलेक्टर ने समय-सीमा बैठक में शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने दिए निर्देश

फ्लैगशिप योजनाओं एवं विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा

बिलासपुर। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने आज समय-सीमा की बैठक लेकर शासन की फ्लैगशिप योजनाओं सहित जिले में चल रहे विभिन्न विकास एवं निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने दूरदराज क्षेत्रों की एकल शिक्षकीय शालाओं में बच्चों की पढ़ाई प्रभावित न हो, इसके लिए स्थानीय स्तर पर पात्र युवाओं की सेवाएं लेने के निर्देश दिए। ऐसे युवाओं से गणित, विज्ञान जैसे कठिन विषय पढ़ाने का कार्य लिया जाएगा तथा उन्हें डीएमएफ मद से पीरियडवार मानदेय दिया जाएगा। स्वीकृत पद के विरुद्ध पद रिक्त होने पर संकुल स्तर पर भर्ती की कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर ने इस पूरी प्रक्रिया को आगामी एक माह में पूर्ण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने जिले में स्वीकृत निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और स्थल चयन पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनसुविधाओं को ध्यान में रखते हुए बड़ी संख्या में निर्माण कार्य स्वीकृत किए गए हैं। विभिन्न निर्माण एजेंसियों द्वारा कराए जा रहे कार्यों की संबंधित विभागों के अधिकारी भी नियमित मॉनिटरिंग करें, ताकि निर्माण की गुणवत्ता सुनिश्चित हो। उन्होंने कहा कि शासकीय राशि सीमित होती है और बार-बार उपलब्ध नहीं होती, इसलिए किसी भी निर्माण कार्य के लिए स्थल का चयन पूरी गंभीरता से किया जाए। बैठक में बताया गया कि जिले में वर्तमान में 230 आंगनबाड़ी भवन, 125 पीडीएस दुकान और 325 स्कूल टॉयलेट स्वीकृत किए गए हैं। कलेक्टर ने स्कूलों में स्मार्ट क्लास के माध्यम से हो रही पढ़ाई की भी समीक्षा की। वर्तमान में जिले के लगभग 750 स्कूलों में स्मार्ट टीवी के माध्यम से विद्यार्थियों को शिक्षण सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है ई-ऑफिस के उपयोग की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने शून्य उपलब्धि वाले करीब दो दर्जन कार्यालय प्रमुखों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी विभागों में ई-ऑफिस व्यवस्था को प्रभावी ढंग से लागू करने पर जोर दिया बैठक में डीसीएस सर्वे की प्रगति की भी समीक्षा की गई। जिले में अब तक लगभग 39 प्रतिशत सर्वे कार्य पूर्ण होने की जानकारी दी गई। कलेक्टर ने सर्वे कार्य की गुणवत्ता एवं प्रगति का जायजा लेने जिला स्तरीय टीम को मैदानी निरीक्षण के निर्देश दिए। स्थानीय तैराक बनेंगे 'जलमित्र' बाढ़ एवं आपदा प्रबंधन को और प्रभावी बनाने के लिए कलेक्टर ने बड़े बांधों तथा नदी-नालों के किनारे स्थित ग्रामों के स्थानीय कुशल तैराकों को 'जलमित्र' के रूप में नियुक्त करने के निर्देश दिए। इन स्थानीय तैराकों को बाढ़ एवं आपदा के बचाव कार्य का प्रशिक्षण दिया जाएगा तथा आवश्यक बचाव उपकरण भी उपलब्ध कराए जाएंगे। इससे आपदा की स्थिति में स्थानीय स्तर पर त्वरित बचाव एवं राहत कार्य में मदद मिलेगी। कलेक्टर ने सीएम जनदर्शन, पीएम पोर्टल, ई-समाधान सहित विभिन्न माध्यमों से प्राप्त लंबित प्रकरणों की भी समीक्षा की। उन्होंने सभी अधिकारियों को लंबित मामलों का प्राथमिकता के साथ शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में नगर निगम आयुक्त प्रकाश सर्वे, जिला पंचायत सीईओ संदीप अग्रवाल सहित जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

मध्यान्ह भोजन का सामान चोरी करने वाला विधि से संघर्षरत बालक पकड़ा

बिलासपुर। बिलासपुर जिले के कोटा थाना क्षेत्र में शासकीय प्राथमिक शाला कुवारीमुड़ा से मध्यान्ह भोजन का सामान चोरी करने के मामले में कोटा पुलिस ने एक विधि से संघर्षरत बालक को पकड़ा है। पूछताछ के दौरान उसने स्कूल में चोरी करने के साथ ही एक अन्य मामले में मोटरसाइकिल चोरी करना भी स्वीकार किया। पुलिस ने विधि अनुसार कार्रवाई करते हुए उसे बाल संप्रेषण गृह बिलासपुर भेज दिया है। पुलिस के अनुसार 27 अगस्त 2026 को शासकीय प्राथमिक शाला कुवारीमुड़ा की प्रार्थिया आराधना पटेल ने थाना कोटा में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि स्कूल कार्यालय में रखी पेटी से मध्यान्ह भोजन के लिए रखी दो बोरी चावल, कुल करीब एक क्विंटल, तथा भोजन पकाने के बर्तन, थाली, डेचकी, गंजा सहित करीब 8 हजार रुपये का सामान अज्ञात व्यक्ति चोरी कर ले गया है। रिपोर्ट पर थाना कोटा में अपराध क्रमांक 716/2026, धारा 331(4), 305(ए) भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के साथ गवाहों के बयान दर्ज किए। इसी बीच मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर वरिष्ठ अधिकारियों को जानकारी दी गई। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण श्रीमती मधुलिका सिंह और अनुविभागीय अधिकारी पुलिस कोटा श्रीमती नूपुर उपाध्याय के मार्गदर्शन में पुलिस टीम गठित कर ग्राम कुवारीमुड़ा में दबिश दी गई। टीम ने एक विधि से संघर्षरत बालक को पुलिस सुरक्षा में लेकर पूछताछ की। पूछताछ के दौरान बालक ने शासकीय प्राथमिक शाला कुवारीमुड़ा में चोरी करना स्वीकार किया। इसके साथ ही उसने एक अन्य प्रकरण में एक मोटरसाइकिल चोरी करने की बात भी कबूल की। पुलिस के अनुसार मामले की प्रकृति को देखते हुए विधि से संघर्षरत बालक को आवश्यक वैधानिक प्रक्रिया पूरी करने के बाद बाल संप्रेषण गृह बिलासपुर भेज दिया गया है। कार्रवाई पुलिस उपमहानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह के निर्देशन में की गई।

नयापारा रोड पर चाकू लहराकर लोगों को धमका रहा युवक गिरफ्तार किए..

■ सिरगिट्टी पुलिस ने घेराबंदी कर पकड़ा, आरोपी के कब्जे से धारदार लोहे का चाकू बरामद

बिलासपुर। सिरगिट्टी थाना क्षेत्र के नयापारा रोड के पास धारदार चाकू लेकर आने-जाने वाले लोगों को डराने-धमकाने वाले एक युवक को पुलिस ने घेराबंदी कर गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक लोहे का धारदार चाकू बरामद किया है। आरोपी के खिलाफ आयुध अधिनियम के तहत कार्रवाई करते हुए उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया है। पुलिस के अनुसार सिरगिट्टी पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि नयापारा रोड के पास एक व्यक्ति हाथ में धारदार चाकू लेकर लोगों को डरा-धमका रहा है। सूचना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधिकारियों को इसकी जानकारी दी गई और आरोपी की तत्काल गिरफ्तारी के निर्देश दिए गए। वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में थाना सिरगिट्टी पुलिस की टीम नयापारा रोड पहुंची। पुलिस टीम को देखते ही आरोपी भागने का प्रयास करने लगा, लेकिन जवानों ने घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपी की पहचान प्रदीप कुमार लहरे, उम्र 33 वर्ष, निवासी चुचुहियापारा गणेश नगर, थाना सिरगिट्टी, जिला बिलासपुर के रूप में हुई। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से एक लोहे का धारदार चाकू बरामद किया गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अपराध क्रमांक 640/2026, धारा 25 एवं 27 आयुध अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई की। इसके बाद आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। यह कार्रवाई उप महानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह के निर्देश तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर, नगर पुलिस अधीक्षक सिविल लाइन और थाना प्रभारी प्रशिक्षु उप पुलिस अधीक्षक आकाश चौधरी के मार्गदर्शन में की गई। सिरगिट्टी पुलिस ने क्षेत्र में असामाजिक तत्वों और अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई लगातार जारी रखने की बात कही है।

बालको लिमिटेड ने डिजिटल कंट्रोल टावर्स के माध्यम से प्रचालन को बनाया अधिक स्मार्ट....

कोरबा। वेदांता एल्यूमिनियम मेटल लिमिटेड की कंपनी भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) ने अपने लॉजिस्टिक्स और प्रचालन को अधिक स्मार्ट और कनेक्टेड बनाने की दिशा में पांच एआई-सक्षम डिजिटल कंट्रोल टावर्स को एकीकृत किया है। ये कंट्रोल टावर्स कोयला लॉजिस्टिक्स, फिनिश्ड प्रोडक्ट, फ्लाई फ्लाई ऐश प्रबंधन, आंतरिक वाहनों और अपशिष्ट प्रबंधन से जुड़े संचालन को एक साझा डिजिटल प्लेटफॉर्म पर लाते हैं। इससे महत्वपूर्ण प्रचालन गतिविधियों की रियल-टाइम निगरानी, बेहतर समन्वय और डेटा आधारित निर्णय लेने में मदद मिल रही है। यह पहल तकनीक-सक्षम और मजबूत घरेलू विनिर्माण मूल्य श्रृंखला विकसित करने की भारत की व्यापक दिशा के अनुरूप है। इस डिजिटल व्यवस्था में जीपीएस, आईओटी आधारित वाहन ट्रैकिंग, एआई आधारित वीडियो टेलीमैटिक्स, जियो-फेंसिंग और रियल-टाइम एनालिटिक्स जैसी आधुनिक तकनीकों का उपयोग किया गया है। इनके माध्यम से लॉजिस्टिक्स गतिविधियों की शुरुआत से अंत तक निगरानी और बेहतर प्रबंधन संभव हो रहा है। एजेंटिक एआई से लैस ये कंट्रोल टावर्स उपलब्ध आंकड़ों का विश्लेषण कर प्रचालन के रुझानों को समझने, संभावित आवश्यकताओं की पहचान करने और समय पर कार्रवाई के लिए सुझाव देने में मदद करते हैं। इससे संसाधनों के बेहतर उपयोग, प्रक्रियाओं में अनुशासन और प्रचालन की प्रभावशीलता को बढ़ावा मिलता है। कोयला लॉजिस्टिक्स कंट्रोल टावर कोयले के परिवहन की डिजिटल ट्रैकिंग और मूवमेंट प्लानिंग में मदद करता है। इससे कोयले की आवाजाही की निगरानी और आपूर्ति श्रृंखला में बेहतर समन्वय सुनिश्चित होता है। फिनिश्ड प्रोडक्ट कंट्रोल टावर प्लांट के भीतर तैयार उत्पादों की आवाजाही को डिजिटल रूप से प्रबंधित करता है। इसमें डिजिटल प्रूफ ऑफ डिलीवरी, जियो-फेंसिंग आधारित रूटिंग और ट्रैफिक मैनेजमेंट जैसी सुविधाएं शामिल हैं, जो उत्पादों की आवाजाही को अधिक व्यवस्थित बनाती हैं। फ्लाई ऐश मैनेजमेंट कंट्रोल टावर राख की आवाजाही और निर्धारित मार्गों की रियल-टाइम निगरानी करता है। इससे राख के परिवहन की बेहतर ट्रैकिंग, संसाधनों के प्रभावी प्रबंधन और पर्यावरणीय मानकों के अनुपालन में सहायता मिलती है। वेस्ट मैनेजमेंट कंट्रोल टावर अपशिष्ट पदार्थों की आवाजाही और निर्धारित प्रक्रियाओं के अनुपालन की निगरानी करता है, जिससे बेहतर ट्रेसबिलिटी और जवाबदेही सुनिश्चित होती है।

दर्री जोन में 07 नवनिर्मित सामुदायिक भवनों का हुआ लोकार्पण

■ उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन एवं महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत ने इन सभी सामुदायिक भवनों को किया जनसेवा में समर्पित

कोरबा। नगर पालिक निगम कोरबा के दर्री जोनांतर्गत 07 नवनिर्मित सामुदायिक भवनों का लोकार्पण सोमवार को एक ही दिन पृथक-पृथक वार्डो में किया गया। प्रदेश के उद्योग, वाणिज्य, श्रम, आबकारी व सार्वजनिक उपक्रम मंत्री श्री लखनलाल देवांगन के मुख्य आतिथ्य एवं महापौर श्रीमती संजदेवी राजपूत की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रमों के दौरान इन सभी सामदुायिक भवनों को उनके द्वारा जनसेवा में समर्पित किया गया। इस अवसर पर सभापति श्री नूतन सिंह ठाकुर, वरिष्ठ पार्षद श्री नरेन्द्र देवांगन सहित निगम की मेयर इन काउंसिल के सदस्य, पार्षदगण, एल्डरमेनगण विशिष्ट रूप से उपस्थित थे नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा दर्री जोनांतर्गत वार्ड क्र. 55 सलिहाभांठा में 10 लाख रूपये की लागत से सामुदायिक भवन का निर्माण पूर्ण कराया गया है। इसी प्रकार वार्ड क्र. 55 के ही नागिनभांठा बस्ती में उप स्वास्थ्य केन्द्र के समीप पटेल समाज हेतु 10 लाख रूपये की लागत से सामुदायिक भवन का निर्माण भी किया गया है, दर्री जोन के अंतर्गत ही वार्ड क्र. 54 जमनीपाली हाउसिंग बोर्ड कालोनी में 10 लाख रूपये की लागत से सामुदायिक भवन का निर्माण किया गया है, वहीं वार्ड क्र. 54 के ही गोपालपुर स्थित माता चैरा के पास 10 लाख रूपये की लागत से अहातायुक्त सामुदायिक भवन का निर्माण कराया गया है। इसी प्रकार वार्ड क्र. 58 सरदार वल्लभभाई पटेल नगर साडा शिव मंदिर के समीप 15 लाख रूपये की लागत से सामुदायिक भवन निर्मित हुआ है, वहीं वार्ड क्र. 59 दर्रीखार क्र. 01 कन्या शाला के समीप 25 लाख रूपये की लागत से सामुदायिक भवन का निर्माण किया गया है। दर्री जोन के अंतर्गत ही वार्ड क्र. 60 प्रगतिनगर लेबर कालोनी दर्री में 10 लाख रूपये की लागत से उडिया समाज के लिये सामुदायिक भवन का निर्माण कराया गया है, आज इन वार्डो में पृथक-पृथक आयोजित लोकार्पण कार्यक्रम के दौरान उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन व महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत के हाथों इन सभी सामुदायिक भवनों को जनता की सेवा में समर्पित किया गया। इस मौके पर समाज के लोगों के द्वारा सामुदायिक भवनों की सौगात प्राप्त होने पर उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन एवं महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया गया।

जनसेवा,संगठन मजबूती और विकास कार्यों को मिली गति विधायक अग्रवाल ने विभिन्न कार्यक्रमों में की सहभागिता..

बिलासपुर। विधायक श्री अमर अग्रवाल ने सोमवार को शहर में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होकर सामाजिक सरोकार, जनसंवाद, संगठनात्मक गतिविधियों एवं विकास कार्यों से जुड़े कार्यक्रमों में सहभागिता की। विधायक श्री अग्रवाल ने अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन, छत्तीसगढ़ इकाई बिलासपुर द्वारा आयोजित सर्व समाज रक्तदान शिविर में पहुंचकर रक्तदाताओं से मुलाकात की। उन्होंने रक्तदान को मानवता की सेवा का पुनीत कार्य बताते हुए रक्तदाताओं के सेवा भाव की सराहना की। उन्होंने कहा कि रक्तदान के माध्यम से जरूरतमंद व्यक्ति का जीवन बचाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया जा सकता है। इसके पश्चात 'अपनों से मुलाकात' कार्यक्रम के दौरान क्षेत्रवासियों से आत्मीय संवाद किया। इस दौरान नागरिकों ने विभिन्न समस्याओं एवं आवश्यकताओं से अवगत कराया। विधायक श्री अग्रवाल ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को समस्याओं के प्रभावी एवं समयबद्ध निराकरण के लिए आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि क्षेत्रवासियों की छोटी से छोटी समस्या भी उनकी अपनी समस्या है और नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता है। विधायक श्री अग्रवाल ने भारतीय जनता युवा मोर्चा, जिला बिलासपुर शहर की जिला कार्यसमिति बैठक में भी सहभागिता की। बैठक में संगठनात्मक विषयों, आगामी कार्ययोजनाओं एवं जनहित के कार्यों को लेकर सार्थक चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि युवा मोर्चा संगठन की ऊर्जा और शक्ति का महत्वपूर्ण आधार है। युवाओं की सक्रिय भागीदारी से संगठन को और मजबूत करते हुए पार्टी की विचारधारा एवं जनकल्याणकारी कार्यों को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य निरंतर जारी रहेगा। इसी क्रम में उन्होंने व्यापार विहार स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय उद्यान को अधिक सुंदर, हरित एवं सुव्यवस्थित बनाने के लिए प्रस्तावित विकास कार्यों के भूमिपूजन कार्यक्रम में सहभागिता की। उन्होंने कहा कि उद्यान के विकास से क्षेत्रवासियों को बेहतर एवं स्वच्छ वातावरण के साथ एक सुविधाजनक सार्वजनिक स्थल उपलब्ध होगा। वहीं मधुबन स्थित मुक्तिधाम के जीर्णोद्धार एवं विकास कार्यों के लिए 40 लाख रुपये से अधिक की लागत से होने वाले कार्य का भूमिपूजन भी किया। विकास कार्य पूर्ण होने के बाद मुक्तिधाम में आवश्यक सुविधाओं का विस्तार होगा तथा परिसर अधिक सुव्यवस्थित एवं सुविधाजनक बनेगा। विधायक श्री अग्रवाल ने कहा कि जनता से सीधा संवाद, संगठन की मजबूती और शहर में बुनियादी सुविधाओं का विस्तार—इन सभी क्षेत्रों में निरंतर कार्य करना ही जनप्रतिनिधि के रूप में प्राथमिकता है। बिलासपुर के समग्र विकास के लिए विकास कार्यों को निरंतर गति दी जा रही है।

अगर ज्यादा आता हो पसीना तो हो जाएं सावधान

भारत जैसे गर्म देश में पसीना आना सामान्य है, लेकिन ज्यादा पसीना आना हार्ट अटैक का संकेत हो सकता है। दरअसल जब क्लॉट से आर्टरी ब्लॉक होने लगती है तो हार्ट का एक हिस्सा डेड होने लगता है, और तेज पसीना आता है।

आजकल की भाग-दौड़ और तनाव भरी जिन्दगी में दिल की बीमारी बहुत आम समस्या हो गई है। इसमें भी अचानक आनेवाले हार्ट अटैक का खतरा बढ़ता जा रहा है। दिल के दौरे के कुछ लक्षण एसिडिटी या गैस जैसे भी लगते हैं, इस वजह से लोग कन्फ्यूज हो जाते हैं। वहीं हार्ट अटैक के 1 घंटे के भीतर इलाज मिल जाए तो जीवन बच सकता है। ऐसे में ये जानना जरुरी है कि इसके क्या लक्षण होते हैं, ताकि आप गभीर स्थिति होने से पहले ही उपाय कर सकें। भारत जैसे गर्म देश में पसीना आना सामान्य है, लेकिन ज्यादा पसीना आना हार्ट अटैक का संकेत हो सकता है। तो आइये इसके मुख्य लक्षणों के बारे मे जानें।

पसीना आना

कार्डियोलॉजिस्ट के मुताबिक कुछ ऐसे लक्षण हैं जिनसे दिल के दौरे की पहचान की जा सकती है। जैसे - सीने के बीच में दर्द होना, ब्लड प्रेशर बढ़ना, उल्टी आना और तेज पसीना निकलना। हद से ज्यादा पसीना आना हार्ट अटैक का अहम संकेत है। हार्ट अटैक के वक्त आने वाला पसीना नॉर्मल से थोड़ा अलग होता है। खास तौर पर जब इतना पसीना आए कि कपड़े भीग जाएं, तो ये हार्ट अटैक का संकेत है। दरअसल जब क्लॉट से आर्टरी ब्लॉक होने लगती है तो हार्ट का एक हिस्सा डेड होने लगता है, और तेज पसीना आता है।

सीने में दर्द

हार्ट अटैक के पसीने से पहले सीने में दर्द होता है। यह दर्द या दबाव छोटे एरिया नहीं बल्कि बड़े एरिया में होता है और फैलता जाता है। इसके साथ ही आपको गले में घुटन, हाथों में भारीपन, कंधों पर वजन, या सीने पर कसने जैसी फीलिंग हो सकती है। आपको लग सकता है कि सांस नहीं आ रही। इनमें से किसी भी लक्षण में फौरन डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए।

किशोर बच्चों के लिए बहुत जरूरी है सुबह का नाश्ता

सुबह का नाश्ता हमारे जीवन का सबसे खास आहार होता है. कई रिसर्च इस बात का दावा भी कर चुके हैं ब्रेकफास्ट किशोरों के लिए और भी जरूरी हो जाता है अगर किशोरावस्था में सही डाइट नहीं ली जाती है तो इसका असर बच्चे के विकास पर भी पड़ता है. लेकिन अधिकतर बच्चे किशोरावस्था में नाश्ता नहीं करते हैं. पेरेंट्स कितनी भी कोशिश कर लें अक्सर बच्चे कुछ ना कुछ बहाना करके, नाश्ता छोड़ कर चले जाते हैं. यहां कुछ खास बातें हैं जो आप अपने किशोर को जरूर बताएं. ये बातें उनको को समझाना भी बहुत जरूरी है कि उनके लिए सुबह का नाश्ता क्यों और कैसे आवश्यक है.

सोने और व्यायाम करने के साथ-साथ शरीर को दोबारा रिचार्ज करने के लिए ब्रेकफास्ट सबसे अहम भूमिका होती है. सुबह के नाश्ते में कार्बोहाइड्रेट जरूर शामिल किया जाना चाहिए. इससे शरीर को ऊर्जा मिलती है. इसके साथ ही ब्रेकफास्ट में प्रोटीन और कार्बोहाइड्रेट का कॉम्बिनेशन होने के साथ-साथ, उसमें फल को भी जरूर शामिल करें. पूरी रात की नींद के बाद में करीब 8 से 10 घंटा हमारा शरीर फास्ट करता है. इसलिए सुबह उठकर शरीर को अच्छी एनर्जी की जरूरत होती है.

पढ़ाई में बहुत ज्यादा ध्यान लगाने की जरूरत होती है. शोध बताते हैं सुबह का अच्छा ब्रेकफास्ट बच्चों के ब्रेन फंक्शन को सही करता है. खास करके मेमोरी को और ज्यादा मजबूत बनाता है. यह सारी बातें अपने बच्चों को जरूर बताएं ताकि वह अपने एग्जाम की तैयारी के लिए पहले से ही टाइम पर रोजाना नाश्ता जरूर करें. हर कोई चाहता है कि उसका बच्चा पढ़ने में अव्वल हो और उसके मार्क्स भी बहुत अच्छे हों. यह सिर्फ पेरेंट्स नहीं चाहते बल्कि आज के बच्चे भी इससे अछूते नहीं हैं. रिसर्च की मानें तो जो बच्चे सुबह नाश्ता करते हैं उनकी पढ़ाई भी अच्छी होती है. क्योंकि नाश्ते के जरिए जरूरी पोषक तत्व हमारे ब्रेन तक जाते हैं और हमारा दिमाग सही तरीके से काम करता है. आजकल बच्चों में मोटापा आम बात है, जब बच्चे सुबह हेल्दी नाश्ता करते हैं, तो इसकी संभावना ज्यादा होती है कि वह बाहर के जंक खाने से बच जाते हैं. साथ ही वह हमेशा हेल्थी खाने की ओर ज्यादा आकर्षित होते हैं. जिससे मोटापा बढ़ने की आशंका कम होती है.

इन फूड्स को डाइट में करें शामिल

प्रोटीन हमारे शरीर के लिए बेहद आवश्यक है. हेल्दी बॉडी और फिटनेस के लिए भी प्रोटीन बेहद अहम हैं. ये समझना भी जरूरी है कि यदि शरीर में प्रोटीन की कमी हुई तो हमारे शरीर में कई तरह की बीमारियां भी घर कर सकती हैं. लेकिन कई बार हमारे भोजन में कार्बोहाइड्रेट और कैलोरीज की मात्रा तो काफी रहती है, लेकिन शरीर के लिए जरूरी प्रोटीन हमें नहीं मिल पाता है. आज हम जानेंगे की वो कौन से फूड है जिनमे प्रोटीन प्रचुर मात्रा में पाया जाता है और क्या खाने से शरीर में प्रोटीन की कमी पूरी हो सकती है.

डेयरी प्रोडक्ट्स

दूध और उससे जो भी उत्पाद बनते है सभी प्रोटीन का बेहतरीन सोर्स हैं. पनीर हो या खोया या फिर चीज सभी में भरपूर प्रोटीन होता है. इसमें न ही सिर्फ प्रोटीन बल्कि कैल्शियम की मात्रा भी भरपूर होती है, इससे हमारे शरीर की इम्यूनिटी सिरटम बेहतर होती है.

अंडे

एग यानी कि अंडा प्रोटीन का एक बहुत ही अच्छा सोर्स होता है. इसमें प्रोटीन के साथ ही साथ कैल्शियम और ओमेगा 3 फैटी एसिड भी अच्छी मात्रा में होते हैं.

ड्राई फ्रूट्स

सूखे मेवे या ड्राई फ्रूट्स में अच्छी खासी मात्रा में प्रोटीन रहता है. आप पिस्ता, किशमिश, काजू, बादाम, अंजीर और अखरोट रोजाना जाए तो आपके शरीर में प्रोटीन की कमी नहीं होगी. इसके अलावा इनमें कई तरह के विटामिन भी होते हैं, कैल्शियम और पोटेशियम भी होते हैं. डॉक्टर्स हर दिन 3 से 4 बादाम खाने की सलाह दिया करते हैं.

मछली और मांस

अगर आप मांसाहार लेते हैं तो आप मछली खाए, इससे आपके शरीर में प्रोटीन की कमी पूरी होगी. साल्मन और ट्यूना फिश में बड़ी मात्रा में प्रोटीन रहता है, इन्हें प्रोटीन का सबसे बेहतरीन सोर्स माना जाता है. ध्यान रहे कि ये खाना ऐसा हो कि तेल या घी के रूप में फैट का इनटेक ज्यादा न हो सके.

दालें

दालें रोजमर्रा के खाने का हिस्सा हैं और प्रोटीन का बेहतरीन सोर्स भी. मूंग, अरहर, मसूर, चना इन सभी दालों में प्रोटीन होता है. इसके अलावा राजमा और सोयाबीन भी प्रोटीन से भरपूर है. इन्हें भी हमारी रूटीन डाइट का हिस्सा बनाया जाना चाहिए.

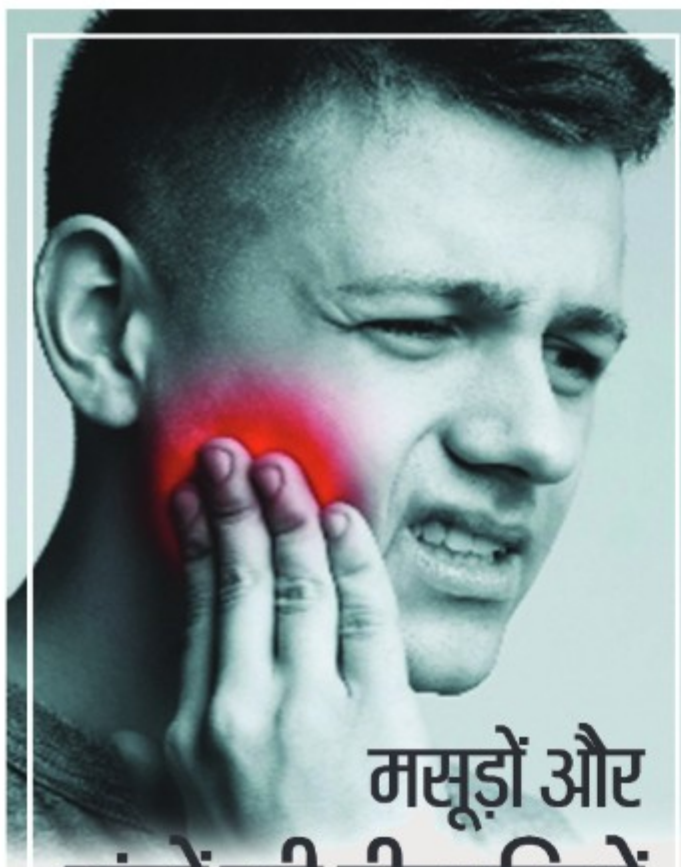

मसूड़ों और दांतों की बीमारियों को आमंत्रित कर रहे हैं फास्ट फूड

आज की बदलती हुई जीवन शैली में फास्ट फूड संस्कृति काफी तेजी से विकसित हो रही है। बच्चे, बड़े और बूढ़े सभी चटकारे ले लेकर बर्गर, नूडल्स, आइसक्रीम, चाकलेट्स, टाफिया आदि का सेवन कर रहे हैं। इन खाद्य पदार्थों के सेवन से जीभ को तृप्ति तो जरूर मिलती है लेकिन लोगों को मालूम नहीं है कि वे इन खाद्य-पदार्थों का सेवन करके अनजाने में मसूड़ों और दातों की बीमारियों को आमंत्रित कर रहे हैं।

आज 4-5 वर्ष के बच्चे भी गंभीर मसूड़े के रोगों का शिकार हो रहे हैं। रोगग्रस्त बच्चे से मसूड़ों से रक्त आना लगता है, बच्चे स्टोमोटाइटिस नामक एक खतरनाक मसूड़ों की बीमारी का शिकार हो रहे हैं। इस रोग में छोटे-छोटे अल्सर हो जाते हैं जिसके कारण बच्चा कुछ भी नहीं खा पाता। लिम्फ नोड्स बढ़ जाते हैं। बच्चा को बुखार आने लगता है। ये दोनों ही बीमारियां सामण के कारण होती हैं। इनके अलावा दांतों में कीड़ा लगना भी बच्चों की आम बीमारी हो गयी है। इन बीमारियों के उपचार में लापरवाही बरतने से रोग बढ़कर खतरनाक रूप आख्तयार कर लेता है।

बच्चों को इन रोगों से बचाना मुश्किल नही है। यदि माता-पिता सुबह नाश्ता करने के बाद तथा रात में खाने के बाद मुलायाम टूथब्रश से ब्रश करने की नियमित आदत डलवाएं तो मसूड़ों व दांतों की बीमारियों से बच्चों के दांतों वमसूड़ों को आसानी से बचाया जा सकता है। समय-समय पर बच्चों को टूथब्रश को बदलते रहना चाहिये। रेशेदार फल व सब्जियों के सेवन से मसूड़े स्वस्थ रहते हैं। इसलिए रेशेदार फल व सब्जियां नियमित रूप से पर्याप्त मात्रा में बच्चों को खिलानी चाहिये।

रेशेदार चीजों को खाने से मसूड़ों की प्राकृतिक तौर पर मालिश हो जाती है जिससे इनमें दोनों ओर से रक्त प्रवाह होने लगता है। फास्ट फूड दांतों के मध्य में फंसकर सड़ने लगते हैं जो अनेक बीमारियों का कारण बनते हैं। 18 से 40 वर्ष की उम्र के लोग पीरिओडोनटाटिस नामक बीमारी का शिकार हो जाते हैं। यह मसूड़ों की एक बीमारी है। इस रोग से ग्रसित होने पर हड्डी घुलने लगती है जिसके कारण दांत कमजोर हो जाते हैं तथा हिलने लगते हैं। रोगग्रस्त व्यक्ति को शीघ्र दंत चिकित्सक से मिलकर उपचार करा लेना चाहिए। इससे दोनों दांतों के खराब होने का खतरा टल जाता है।

इस रोग के निम्न लक्षण है

- दांतों से खून व मवाद आना।
- मुंह से बदबू आना।
- दांतों में छेद हो जाना।
- दांतों में हल्का-हल्का दर्द होना।
- दांतों का हिलना।

दांत जिस हड्डी में गड़े होते हैं वह हड्डी बुढ़ापे में खाने का भार नहीं बर्दाश्त कर पाती तथा अन्न के कण दांतों के मध्य फंस जाते हैं क्योंकि उम्र बढ़ने के साथ दांत एक दूसरे से अलग हो जाते हैं जिससे दांतों के बीच दरार बन जाती है। रोग से बचने के लिये रोगग्रस्त दांत को निकलवाकर कृत्रिम दांत लगवा लेना चाहिये। आजकल मसूड़ों के रोगों के कारण हार्टअटैक, मधुमेह, न्यूमोनिया और श्वांस संबंधी रोग भी होने लगे हैं, इसलिए कम से कम छ: माह पर दांतों की जांच कराते रहनी चाहिये। दिन में दो बार ब्रश तथा प्रत्येक खाने के बाद कुल्ला अवश्य करना चाहिये। हमेशा नरम ब्रिसल्स वाले टूथब्रश का इस्तेमाल करना चाहिए। कड़े ब्रिसल्स दाले टूथब्रश से दांतों के इनेमल नष्ट हो जाते हैं और ऐसे में दांतों में ठंडा गरम लगने लगता है। अगर आप उपरोक्त बातों का ध्यान रखेंगे तो आप के दांत आसानी से रोगग्रस्त नहीं होंगे।

हड्डियों के कमजोर होने का ऐसे करें बचाव

अगर आपकी हड्डियां कमजोर हैं तो इसका अर्थ है कि आपकी बॉडी को आवश्यकता के अनुसार कैल्शियम नहीं मिल रहा है। इसलिए आपको अपनी डाइट में कैल्शियम इनटेक बढ़ाने की आवश्यकता है। इसके लिए आप कैल्शियम रिच फूड्स का सेवन करें।

व्यक्ति के स्वस्थ रहने के लिए हड्डियों का मजबूत होना बेहद आवश्यक है। जब व्यक्ति की हड्डियां कमजोर हो जाती हैं, तो इससे ऑस्टियोपोरोसिस होने का खतरा काफी बढ़ जाता है। यह एक ऐसी स्थिति है, जब गिरने या हड्डियों पर हल्का दबाव पड़ने से भी फ्रैक्चर हो सकता है। ऑस्टियोपोरोसिस से संबंधित फ्रैक्चर आमतौर पर कूल्हे, कलाई या रीढ़ में होते हैं। नाजुक हड्डियों के कारण हिप फ्रैक्चर गंभीर और घातक भी हो सकता है। आपके साथ यह समस्या ना हो, इसलिए आपको हड्डियों का अतिरिक्त ध्यान रखने की आवश्यकता होती है।

डाइट में बढ़ाएं कैल्शियम

अगर आपकी हड्डियां कमजोर हैं तो इसका अर्थ है कि आपकी बॉडी को आवश्यकता के अनुसार कैल्शियम नहीं मिल रहा है। इसलिए आपको अपनी डाइट में कैल्शियम इनटेक बढ़ाने की आवश्यकता है। इसके लिए आप कैल्शियम रिच फूड्स का सेवन करें। इसके अलावा, डॉक्टर की सलाह पर कैल्शियम सप्लीमेंट भी लिए जा सकते हैं।

विटामिन डी की ना करें अनदेखी

कुछ लोग सोचते हैं कि हड्डियों को मजबूत बनाने के लिए केवल कैल्शियम की जरूरत होती है। जबकि ऐसा नहीं है। आपको कैल्शियम के साथ-साथ विटामिन डी पर भी ध्यान देना चाहिए। विटामिन डी शरीर को कैल्शियम को अवशोषित करने में मदद करता है। ऐसे में अगर विटामिन डी कम होगा तो कैल्शियम इनटेक से भी आपको कोई लाभ नहीं होने वाला है।

जरूर करें व्यायाम

व्यायाम करना संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है। यह ना केवल आपके वजन को मेंटेन करने में मददगार है। जब आप वॉकिंग से लेकर योग, रस्सी कूदना, वाटर एरोबिक्स, सीढ़ियां चढ़ना आदि एक्सरसाइज को अपने रूटीन का हिस्सा बनाते हैं तो इससे आपकी हड्डियों को भी मजबूती मिलती है।

आहार पर दें ध्यान

सुनिश्चित करें कि आपके आहार में बहुत सारे ताजे फल और सब्जियां, डेयरी उत्पाद, साल्मन, अंडे की जर्दी, बादाम, लीन प्रोटीन, बीन्स, एवोकाडो और जैतून का तेल को अवश्य शामिल करें। इन फूड आइटम्स में मौजूद पोषक तत्व आपकी सेहत के साथ-साथ बोन हेल्थ पर भी सकारात्मक प्रभाव डालते हैं।

इन फलों को फ्रिज में न रखें

ज्यादातर लोगों आदत होती है कि वे फ्रिज में हर फल और सब्जियां रख देते हैं लेकिन कुछ फल ऐसे होते हैं जिन्हें फ्रिज में रखने से उनके पोषक तत्व नष्ट हो जाते हैं। ऐसे में आपको जान लेना चाहिए कि आपको किन फलों को फ्रिज में नहीं रखना चाहिए। वहीं, अगर आप किसी फल को फ्रिज में रखना ही चाहते हैं, तो 2-3 दिनों के अंदर ही इनका इस्तेमाल कर लें।

केला

केला भी फ्रिज में रखने पर बहुत जल्द काला पड़ जाता है। इसकी डंठल से इथाईलीन गैस निकलती है, जो आसपास के फलों को भी जल्दी पका देती है। इससे बचने के लिए केले की डंठल पर प्लास्टिक चढ़ा सकते हैं।

आम

आम को भी फ्रिज में भूलकर नहीं रखना चाहिए क्योंकि इसमें मौजूद एंटीऑक्सिडेंट कम होने लगता है। वहीं आम को कर्बाइड से पकाया जाता है जो पानी के साथ क्रिया करने पर जल्दी खराब हो जाता है।

लीची

गर्मी में लीची की आवक बढ़ जाती है। खाने में स्वादिष्ट लगने वाली लीची को भी फ्रिज में नहीं रखना चाहिए क्योंकि ऐसा करने से इसका ऊपरी हिस्सा तो वैसा का वैसा रहता है, लेकिन अंदर वाला पल्प खराब हो सकता है।

अंगूर

अंगूर को धोकर फ्रिज में रखने से वे जल्दी खराब हो जाते हैं। अंगूर को हमेशा पॉलीथिन में डालकर फ्रिज में रखें जिससे ये ज्यादा समय तक ताजा रह सकें।

एवोकॉडो

एवोकैडो एक ऐसा फल है, जिसमें फैटी एसिड बहुत अधिक मात्रा में पाया जाता है लेकिन इसमें कोलेस्ट्रॉल का लेवल कम होता है। फ्रिज में रखने से इसका फल का बाहरी हिस्सा बहुत ज्यादा कठोर हो जाता है।

पहले सुरक्षा निधि फिर लगेगा पंडाल

गणेश व दुर्गा पंडाल के लिए अनुमति लेना होगा अनिवार्य

रिसाली। धार्मिक, राजनीतिक और सामाजिक आयोजनों को लेकर सड़क किनारे पंडाल लगाने वालों को पहले अनुमति शुल्क के साथ सुरक्षा निधि के रूप में आयोजकों को राशि जमा करनी होगी। इसके बाद ही नगर पालिक निगम रिसाली चिन्हित स्थान पर पंडाल लगाने की अनुमति देगा। कलेक्टर अभिजीत सिंह के निर्देश के बाद निगम आयुक्त मोनिका वर्मा ने इसमें सख्ती बरतनी शुरू कर दी है। बुधवार की सुबह उन्होंने आदेश जारी किया है कि बिना अनुमति के पंडाल लगाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। वही भिलाई इस्पात संयंत्र की जमीन होने पर संयंत्र प्रबंधन से अनुमति लेना अनिवार्य होगा।

पंडाल की वजह से सड़क बाधा और आमजनों को होने वाली परेशानी को रोकने तथा आयोजन में होने वाले क्षति की भरपाई के लिए जिला प्रशासन ने सख्त रूख अपनाया है। कलेक्टर के निर्देश के बाद नगर पालिक निगम रिसाली ने सभी धार्मिक, राजनीतिक और सामाजिक आयोजनों को लेकर अनुमति लेना अनिवार्य कर दिया है। राजस्व विभाग के अधिकारी रवि श्रीवास्तव ने स्पष्ट किया है कि गणेश, दुर्गा पंडाल चाहे व पांच हजार वर्ग फीट

से कम या फिर उससे अधिक का एरिया हो, निगम से अनुमति लेना अनिवार्य है। अनुमति नहीं लेने पर नगर पालिक निगम रिसाली एक पक्षीय कार्यवाही करने स्वतंत्र होगा। उन्होंने यह भी बताया कि पंडाल लगाने से पूर्व आयोजन समिति को जगह, साफसफाई एवं सुरक्षा निधि के रूप में निगम द्वारा निर्धारित राशि जमा करानी होगी। यह राशि हालांकि आयोजन पश्चात प्रावधान के अनुरूप वापसी योग्य है।

मार्ग परिवर्तन की दशा में लगेगा प्रतिवेदन- पंडाल के दौरान मार्ग परिवर्तन की दशा में प्रतिवेदन प्रस्तुत करना अनिवार्य है। इसके लिए आयोजन समिति को अनिवार्य रूप से अनुविभागीय अधिकारी और संबंधित थाना क्षेत्र के प्रभारी से अनापत्ति प्रमाण पत्र लेना होगा। ऐसा नहीं करने पर निगम उस स्थान पर पंडाल लगाने की अनुमति नहीं देगा।

क्षतिपूर्ति राशि से की जाएगी कटौती- उत्सव के दौरान किसी तरह की क्षति जैसे सड़क खुदाई या सड़क किनारे बनी नाली या फिर निकाय द्वारा खर्च कर बनाई गई संपत्ति अगर क्षति होती है तो निगम उसकी भरपाई क्षतिपूर्ति राशि से करेगी। इसके लिए आयोजन समिति को जिम्मेदार पदाधिकारियों की सूची भी सौंपनी होगी। यही नहीं आयोजन स्थल पर लगने वाले मेला या फिर मीना बाजार भी तंग जगह पर संचालित नहीं किया जा सकेगा। गुफा या फिर झांकी के लिए भी अलग से अनुमति लेना अनिवार्य किया गया है। वहीं ध्वनी विस्तारक यंत्र भी मध्यम आवाज में बजाना होगा। खास बात यह है कि गत वर्ष की तरह इस वर्ष भी डीजे को प्रतिबंधित किया गया है। साथ ही जबरदस्ती चंदा उगाही पर भी प्रशासन की निगाहे रहेगी।

23 अगस्त को 11 गोवंशों की मौत, 27 को बनी 4 टीमें, ताकि हादसे रूके लेकिन सप्ताह भर बाद फिर 7 की गई जान

मालिकों पर कार्रवाई करना जरूरी, हादसे के बाद सिवाए अफसोस के कुछ नहीं

राजनांदगांव। हाइवे पर गोवंशों की मौत का सिलसिला थम नहीं रहा है। सोमवार रात फिर पीटीएस के समीप ट्रक की चपेट में आने से 7 गोवंशों की जान चली गई। 23 अगस्त की रात को भी इस रोड पर 11 गोवंशों की मौत हुई थी। इसके बाद 27 अगस्त को जिला प्रशासन ने 4 टीमें बनाई, जो नगर निगम क्षेत्र और दो पेट्रोलिंग के लिए गठित की गई। लेकिन इसका कोई असर दिखाई नहीं दिया और बीती रात फिर हादसा हो गया। इस हादसे के बाद ट्रक चालक फरार है, उसकी पतासाजी पुलिस कर रही है।मिली जानकारी के अनुसार हाइवे पर गोवंशों का जमावड़ा लगा हुआ था। रात तकरीबन साढ़े 11 बजे नागपुर से आ रहे अज्ञात ट्रक ने उन्हें रौंद दिया, इसमें सात गोवंशों की मौत हो गई। इसके बाद ट्रक चालक फरार हो गया। कुछ लोग मौके पर एकत्रित हुए, पुलिस की टीम भी पहुंच गई। इसके बाद गोवंशों के शवों को हाइवे से हटाया गया। शव काफी क्षत-विक्षत हो गए थे, इस कारण काफी परेशानी हुई। हाइवे पर जाम की व्यवस्था न हो, इसके

लिए वन-वे किया गया, ताकि गाड़ियों की आवाजाही जारी रहे। तकरीबन डेढ़ घंटे के बाद दोबारा यातयात व्यवस्था को बहाल किया गया।

टीम बनाने का औचित्य नहीं दिखा, जिम्मेदारी तय हो

होटल राज इंपीरियल के सामने हुए हादसे के बाद गोवंशों को सड़क से हटाने के लिए जिला प्रशासन ने चार टीमें बना दी। हरेक टीम में पांच से छह सदस्य नियुक्त कर दिए गए। दो टीम नगर निगम क्षेत्र पर काम करेगी, वहीं शेष दो टीम पेट्रोलिंग का काम करेगी। 27 अगस्त को यह टीम बनाई गई, इसके बाद भी पिछले चार दिनों में शहर और हाइवे के हर हिस्से में गोवंशों को देखा जा सकता है, इसलिए टीम का औचित्य ही नहीं आया और नतीजा वहीं फिर 7 गोवंशों की मौत हो गई। इस पर सीधे जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए।

मालिकों की पहचान और कार्रवाई करना ही ठोस रास्ता

वाहनों की चपेट में आने से गोवंशों की मौत पर अफसोस जताने की बजाए सीधे उनके मालिकों-पशुपालकों की पहचान जरूरी है। ताकि स्पष्ट हो सके कि आखिर गोवंश किसके थे। आमतौर पर गोवंश जब तक दूध देते हैं, मालिक उन्हें अपनी देखरेख में रखते हैं। इसके बाद उन्हें लावारिस ही छोड़ देते हैं। ऐसे में वे सड़कों पर ही अपना ठिकाना बना लेते हैं और हादसों का शिकार हो जाते हैं। इस कारण पशुपालकों पर कार्रवाई की जानी चाहिए, तभी ऐसे हादसों पर रोक लगेगी। वर्ना टीमें बनाकर कुछ समय के लिए गोवंशों को सड़क से सिर्फहटाया जा सकता है, उन्हें सुरक्षित नहीं रखा जा सकता।

पीएम के जन्मदिन पर सेवा का संकल्प, एक महीने चलेगा अभियान, टीम बना सौंपी जिम्मेदारी

राजनांदगांव। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर भारतीय जनता पार्टी द्वारा 17 सितंबर से लेकर 17 अक्टूबर तक सेवा संकल्प अभियान अभियान चलाया जाएगा। इस अभियान के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों के सार्वजनिक जीवन के दरम्यान किए गए कार्यों को छत्तीसगढ़ सहित देश के हर घर तक पहुंचाने का लक्ष्य तय किया गया है। जिले में इस कायक्रम को सफल बनाने को लेकर व्यापक तैयारियां की जा रही है। भाजपा जिला अध्यक्ष कोमल सिंह राजपूत ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक सेवा में 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में, जिसमें गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में 13 वर्ष और भारत के प्रधानमंत्री के रूप में 12 वर्ष शामिल हैं, 17 सितंबर से 17

अक्टूबर तक देश भर में सेवा संकल्प अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने बताया कि ने बताया कि अभियान के दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा अलग-अलग सेवा गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सेवा भावना को अभियान का आधार बनाकर कार्यकर्ता समाजसेवा से जुड़े विभिन्न कार्यों में भागीदारी करेंगे। राजपूत ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन की खुशी में पूरे माह अलग-अलग कार्यक्रम तय किए गए हैं।

प्राइमरी और हायर सेकेंडरी स्कूलों में आयोजित होगी स्पर्धा

प्राइमरी से लेकर हायर सेकेंडरी स्कूलों में पीएम मोदी की उपलब्धियां थीम पर कला प्रतियोगिता आयोजित कराई जायेगी। इसी प्रकार, पीएम के विजन पर भाषण प्रतियोगिताएं भी कराई जाएंगी। वही हर आंगनबाड़ी केंद्र में एक सम्मान समारोह होगा, जिसमें आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को सम्मानित किया जाएगा। इसके अलावा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के मौके पर प्रदेश में केंद्र की योजनाओं के लाभार्थियों के घरों में आशीर्वाद का दीया जलेगा।

महापौर के नेतृत्व में चलेगा जिलेभर में अभियान

17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक होने वाले सेवा संकल्प अभियान के लिए जिला स्तरीय टीम गठित की गई है। संयोजक के रूप में महापौर मधुसूदन यादव अभियान का नेतृत्व करेंगे, जबकि सहकारी बैंक के अध्यक्ष सचिन सिंह बघेल, जिला भाजपा महामंत्री सौरभ कोठारी, पुष्पा गायकवाड़ और चिंटू सोनकर सदस्य बनाए गए हैं। अभियान की कड़ी में 9 कार्य भों की जिम्मेदारियां अलग-अलग टीम को सौंपी गई है। इसके तहत आशीर्वाद का दीया कार्यक्रम की जिम्मेदारी सचिन सिंह बघेल, सपनों का भारत विनोद खांडेकर, नमो सेवा गाथा शरद श्रीवास्तव, आंगन का उत्सव किरण वैष्णव, कहानी बदलाव की अभियान का जिम्मा नीतू शर्मा संभालेंगे। इसके अलावा विकसित भारत कार्य म के संयोजक अभिषेक सिंह बनाये गए हैं। वही सेवा ज्योति यात्रा दिनेश गांधी, जनसेवा महाकुंभ प्रदीप गांधी और सेवा मेरा अभियान कार्यक्रम के संयोजक रमेश पटेल बनाए गए हैं।

अवैध कब्जा से सफाई और यातायात दोनों प्रभावित, निगम ने ठेले-खोमचों को हटाया

शहर के अलग-अलग हिस्सों में अभियान चलाकर नगर निगम की टीम कर रही कार्रवाई

राजनांदगांव। बारिश में सुचारू पानी निकासी एव बेहतर यातायात की दृष्टिकोण से नगर निगम द्वारा अतिक्रण हटाने की कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में बसंतपुर मेन रोड एवं जिला चिकित्सालय साहू समाज भवन रोड के पास से अनाधिकृत रूप से रखे ठेला हटाने की कार्रवाई निगम के द्वारा किया गया।

नगर निगम शहर के अलग-अलग हिस्सों में इसी तरह कब्जों को हटाने के लिए अभियान चला रहा है। ज्ञात हो कि जिला चिकित्सालय बसंतपुर मेन रोड में नाला के ऊपर अतिक्रमण कर 4 ठेला रखा गया था, जिससे सफाई बाधित हो रही थी। इसी प्रकार जिला चिकित्सालय साहू समाज भवन की ओर अतिक्रमण कर

अवैध रूप से रखे 3 बंद ठेला के कारण आवागमन बाधित होने के साथ साथ गंदगी फैल रही थी। उक्त ठेलों को अतिक्रमण हटाव अभियान के तहत निगम आयुक्त जीआर मरकाम के निर्देश पर नगर निगम की अतिक्रमण दस्ता ने मानव गैंग एवं जेसीबी के माध्यम से हटाने की कार्रवाई की गई। यह अभियान निरंतर जारी रहेगा। आयुक्त मरकाम ने शहर को स्वच्छ एवं साफ रखने सहयोग करने नागरिकों एवं व्यापारियों से अपील करते हुए कहा है कि शहर के चौक-चौराहों एवं रोड में पसरा व ठेला खोमचा न लगाए।

रोड में पसरा आदि लगाने से यातायात बाधित होने के साथ साथ दुर्घटना होने की आशंका बनी रहती है। इसी प्रकार अतिक्रमण करने से पानी निकासी प्रभावित होती है। साथ ही सड़क में मलबा या मटेरियल रखने से गंदगी फैलती है। उन्होंने कहा कि निगम का अतिक्रमण दस्ता हटाने की कार्यवाही करेगी उससे पूर्व हटा लें अन्यथा बिना सूचना हटाकर जुर्माना वसूला जाएगा।

लगातार बारिश से कैलाश नगर में छानी वाले मकान की छत गिरी, महापौर ने मौके पर पहुंचकर लिया जायजा

दुर्ग। घटना की जानकारी मिलने पर महापौर अलका बाघमार पार्षद रंजीता पाटिल, मनमोहन शर्मा के अलावा अन्य के साथ मौके पर पहुंचीं और प्रभावित परिवार से मुलाकात कर घटनास्थल का निरीक्षण किया। लगातार हो रही बारिश के चलते नगर पालिक निगम दुर्ग के कैलाश नगर वार्ड क्रमांक 19 में शत्रुहन साहू, उम्र 44 वर्ष, के छानी वाले मकान के एक कमरे की छत गिर गई। हादसे के समय परिवार के सदस्य घर में मौजूद थे, लेकिन सौभाग्य से घटना में किसी भी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। शत्रुहन साहू पिछले लगभग 17 वर्षों से कैलाश नगर क्षेत्र में अपने परिवार के साथ निवास कर रहे हैं। उनके परिवार में पति-पत्नी सहित दो बच्चे हैं। लगातार बारिश के कारण छानी वाले मकान की स्थिति प्रभावित हुई और एक कमरे की छत अचानक गिर गई। घटना के बाद परिवार के सामने रहने और घरेलू सामान को सुरक्षित रखने की समस्या उत्पन्न हो गई है। घटना की जानकारी मिलने पर महापौर अलका बाघमार मौके पर पहुंचीं और प्रभावित परिवार से मुलाकात कर घटनास्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने शत्रुहन साहू एवं उनके परिवार का कुशलक्षेम पूछा तथा घटना के संबंध में जानकारी ली। महापौर बाघमार ने कहा कि नगर निगम द्वारा आवश्यक सहयोग और हर संभव मदद उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा।

निगम आयुक्त ने किया विभिन्न विकास कार्यों का निरीक्षण, अधिकारियों को दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

भिलाईनगर। नगर पालिक निगम भिलाई की आयुक्त सुरूचि सिंह ने शहर में नागरिकों को बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा निर्माणाधीन एवं प्रस्तावित विकास कार्यों को समयबद्ध रूप से पूर्ण कराने के उद्देश्य से विभिन्न क्षेत्रों का निरीक्षण किया। आयुक्त ने नेहरू नगर पूर्व सीवर लाइन, निर्माणाधीन हाइजीनिक फूड जोन, पावर हाउस जवाहर मार्केट में प्रस्तावित कार्य, प्रधानमंत्री आवास योजना एवं ग्रीन टाउन के प्रस्तावित कार्यों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने मौके पर उपस्थित अधिकारियों को कार्यों की गुणवत्ता बनाए रखने के साथ आवश्यक व्यवस्थाओं को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त ने सबसे पहले नेहरू नगर पूर्व सीवर लाइन का निरीक्षण किया। उन्होंने सीवर लाइन की वर्तमान स्थिति का जायजा लेते हुए आवश्यक सफाई एवं सुधार कार्य कराने के निर्देश दिए। साथ ही क्षेत्र में पानी निकासी

की व्यवस्था को बेहतर बनाने तथा बारिश के दौरान जलभराव की स्थिति निर्मित न हो, इसके लिए आवश्यक कदम उठाने कहा। इसके पश्चात आयुक्त ने चंद्रा मौर्या के सामने निर्माणाधीन हाइजीनिक फूड जोन का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण कार्य की गुणवत्ता का बारीकी से अवलोकन किया तथा संबंधित अधिकारियों से कार्य की प्रगति की जानकारी ली। आयुक्त ने निर्माण कार्य में तेजी लाते हुए निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण कराने के निर्देश दिए, ताकि नागरिकों को व्यवस्थित एवं स्वच्छ वातावरण में खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के लिए हाइजीनिक फूड जोन का लाभ जल्द मिल सके। इसी क्रम में उन्होंने पावर हाउस स्थित जवाहर मार्केट में प्रस्तावित कार्य का भी निरीक्षण किया। आयुक्त ने प्रस्तावित कार्य से संबंधित जानकारी लेते हुए आगे की प्रक्रिया को शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आवश्यक प्रक्रियाएं पूरी कर विकास कार्य को जल्द प्रारंभ किया जाए, जिससे क्षेत्र के नागरिकों एवं व्यापारियों को इसका लाभ मिल सके।

सांसद पांडेय ने बिजली कंपनी के अधिकारियों की ली मीटिंग, समस्या निराकरण का लिया ब्यौरा

उपभोक्ताओं की समस्याओं और सुविधाओं को लेकर समीक्षा बैठक हुई

राजनांदगांव। विद्युत व्यवस्था एवं विद्युत उपभोक्ताओं से जुड़ी समस्याओं को लेकर विद्युत मंडल के उच्च अधिकारियों की समीक्षा बैठक सांसद संतोष पांडेय ने सर्किट हाऊस में ली। बैठक में जिले में विद्युत आपूर्ति की स्थिति, उपभोक्ताओं की शिकायतें तथा विद्युत संबंधी लंबित समस्याओं के निराकरण की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई।साथ ही बैठक में प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना, किसानों को कृषि पंप कनेक्शन, नए विद्युत सब-स्टेशन की स्थापना सहित विद्युत अधोसंरचना के विस्तार एवं विभिन्न महत्वपूर्ण कार्यों की प्रगति पर चर्चा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

सांसद पांडे ने अधिकारियों से कहा कि विद्युत विभाग जन-जीवन से सीधे जुड़ा महत्वपूर्ण विभाग है। विद्युत आपूर्ति में व्यवधान अथवा उपभोक्ताओं की किसी भी समस्या

को गंभीरता से लेते हुए उसका त्वरित निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि विद्युत संबंधी शिकायतों के निराकरण में किसी भी प्रकार की लापरवाही न हो और अधिकारी-कर्मचारी अपनी जिम्मेदारियों के प्रति पूरी तरह जवाबदेह होकर कार्य करें। उन्होंने कहा कि ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में विद्युत उपभोक्ताओं को निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति उपलब्ध कराना विभाग की प्राथमिक जिम्मेदारी है। खराब ट्रांसफार्मर, विद्युत तार, खंभों एवं अन्य तकनीकी समस्याओं का समयबद्ध तरीके से निराकरण किया जाए। साथ ही शिकायत प्राप्त होने के बाद मौके पर पहुंचकर समस्या का समाधान करने की प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

जनपद अध्यक्ष श्रीमती कीर्ति नायक ने सामान्य सभा में रखा प्रस्ताव, पाटन विकासखंड के सभी स्वतंत्रता सेनानियों के नाम होंगे अंकित

पाटन की गौरवशाली विरासत को संजोने की पहल, ग्राम बटंग में बनेगी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी गौरव वाटिका

पाटन। जनपद पंचायत पाटन की सामान्य सभा की बैठक में जनपद अध्यक्ष कीर्ति नायक ने क्षेत्र के विकास एवं जनहित से जुड़े विषयों पर महत्वपूर्ण चर्चा करते हुए विकास कार्यों को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि जनपद पंचायत का उद्देश्य शासन की योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन करते हुए उनका लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। अध्यक्षीय उद्बोधन में कीर्ति नायक ने सड़क, पेयजल, शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, कृषि एवं ग्रामीण विकास से जुड़े विषयों पर सभी जनपद सदस्यों से अपने-अपने क्षेत्रों की समस्याओं को सदन में प्रमुखता से रखने और उनके

समाधान के लिए सामूहिक रूप से प्रयास करने का आह्वान किया। उन्होंने अधिकारियों से भी जनहित के मामलों में समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण कार्यवाही सुनिश्चित करने की अपेक्षा जताई।

स्वतंत्रता सेनानियों की स्मृति को मिलेगा स्थायी सम्मान

बैठक में कीर्ति नायक ने पाटन विकासखंड के समस्त स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के त्याग, संघर्ष और राष्ट्रसेवा को चिरस्थायी सम्मान देने के उद्देश्य से ग्राम बटंग में ÷पाटन स्वतंत्रता संग्राम सेनानी गौरव वाटिका÷ के निर्माण का महत्वपूर्ण प्रस्ताव रखा। प्रस्ताव के तहत ग्राम बटंग में उपयुक्त स्थल का स्थल निरीक्षण एवं चयन करने तथा जिला कलेक्टर कार्यालय से पाटन विकासखंड क्षेत्र के समस्त स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की प्रमाणित नामावली प्राप्त करने की बात कही गई।

वाटिका में स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के नाम एवं उनके योगदान को सम्मानपूर्वक स्थान देने की परिकल्पना की गई है। कीर्ति नायक ने कहा कि ÷यह केवल एक वाटिका का निर्माण नहीं, बल्कि पाटन की गौरवशाली ऐतिहासिक विरासत को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने का संकल्प है। हमारे स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों का त्याग और बलिदान सदैव समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत रहेगा। बैठक में उपस्थित जनपद सदस्यों एवं अधिकारियों ने क्षेत्र के विकास तथा स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की स्मृति को सम्मान देने की इस पहल को महत्वपूर्ण बताया।

सीएम हेल्पलाइन से नेहा को मिली राहत: आसानी से बना विवाह पंजीयन प्रमाण पत्र

दुर्ग। आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए संचालित सीएम हेल्पलाइन प्रभावी साबित होते जा रही है। इसी कड़ी में ग्राम पंचायत पहांदा (अ) की रहने वाली श्रीमती नेहा गेन्डरे का विवाह 19 अप्रैल 2026 को संपन्न हुआ था। शादी के बाद नई गृहस्थी की शुरुआत के साथ ही उन्हें कई सरकारी योजनाओं का लाभ उठाना था और बैंक से जुड़े जरूरी काम निपटाने थे। इन सभी कामों के लिए सबसे महत्वपूर्ण दस्तावेज था, विवाह पंजीयन प्रमाण पत्र। नेहा ने बिना किसी देरी के ग्राम पंचायत में विवाह पंजीयन के लिए अपना आवेदन जमा कर दिया। लेकिन अधिक समय बीत जाने के बाद भी उनका आवेदन प्रक्रिया में अटका रहा। विवाह प्रमाण पत्र न मिलने के कारण नेहा न तो बैंक के जरूरी काम पूरे कर पा रही थीं और न ही शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ ले पा रही थीं। बार-बार चक्कर काटने के बाद भी जब कोई रास्ता नहीं दिखा, तो उन्होंने हार मानने के बजाय एक प्रभावी कदम उठाने का फैसला किया। नेहा ने अपनी समस्या के समाधान के लिए 'सीएम हेल्पलाइन' पर शिकायत दर्ज करा दी। प्रकरण पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में विवाह पंजीयन संबंधी श्रेणी में दर्ज हुआ। अधिकारियों ने मामले की गंभीरता को समझा और तुरंत आवश्यक कार्यवाही शुरू कर दी। संबंधित स्तर पर प्रक्रिया को तेजी से पूरा कराया गया और नेहा का विवाह पंजीयन प्रमाण पत्र तैयार कर दिया गया। प्रमाण पत्र हाथ में आते ही नेहा के चेहरे पर खुशी छा गई।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com